आज का विचार

यकीन कीजिये
ईश्वर
के फैसले
हमारी ख्वाहिशो से बेहतर
होते हैं।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-224 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

बिश्रामपुर सीएचसी की कोविड वार्ड बनी भ्रष्टाचार की मिशाल

अम्बिकापुर, रविवार 8 जून , 2025

जोस बटलर ने पहले टी-20 में अर्धशतक जड़कर हासिल की खास उपलब्धियां

पहला कॉलम

बंगाल के बर्धमान में बैग से बरामद हुए नौ देसी बम, पुलिस ने किया निष्क्रिय

कोलकाता,07 जून (ए)। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में एक लावारिस बैग से नौ देसी बम मिलने से आज सुबह इलाके में हड़कंप मच गया. बस किसने रखा और क्यों रखा इलाक पता नहीं चल सका है. बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित रूप से बमों के निष्क्रिय कर दिया. पुलिस घटना की जांच में जुटी है. पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में एक लावारिस बैग से नौ देसी बम बरामद किये गये. स्थानीय निवासियों ने सुबह सबसे पहले एक खेत में लावारिस बैग देखा और जमालपुर पुलिस स्टेशन को सूचित किया. रिपोर्ट के अनुसार एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजा गया, जिसने दामोदर नदी के किनारे बमों को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया.

यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि बम उस स्थान पर कैसे पहुंचे और उन्हें वहां किसने रखा होगा. अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ता यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि विस्फोटकों को सुनसान इलाके में बैग में रखकर छोड़ने के पीछे क्या मकसद था. बता दें कि पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ सालों में कई बड़ी हिंसा की घटनाएं सामने आई. इस दौरान बड़े पैमाने पर आगजनी तोडफोड़ और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा गया. इस दौरान देसी बमों के इस्तेमाल के भी आरोप लगाए गए. पश्चिम बंगाल में इससे पहले भी देसी बम लावारिस हालत में मिले थे जिसे पुलिस ने निष्क्रिय किया था.

कुछ अलग

ठाणे में प्रख्यात विद्वान और लेखक दाजी पणशीकर का निधन

ठाणे,07 जून (ए)। विद्वान लेखक दाजी पणशीकर का बीती रात ठाणे में निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे. उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां, दामाद, बेटा और बहू हैं. रामायण, महाभारत और संतों के ग्रंथों के विद्वान दाजी ने 50 से अधिक वर्षों तक अपने व्याख्यानों और साहित्य के माध्यम से समाज को जागृत किया. उन्होंने अपने दादा वासुदेव शास्त्री पणशीकर के हिंदू शास्त्रों और परंपराओं की विरासत को आगे बढ़ाया. दाजी पणशीकर ने देश-विदेश में लगभग 2500 व्याख्यान दिए. विभिन्न समाचार पत्रों में दाजी पणशीकर के लेख महाराष्ट्र के लिए एक महत्वपूर्ण वैचारिक खजाना हैं. उनकी विभिन्न पुस्तकों जैसे महाभारत, ए जर्नी ऑफ रिवेंज, कर्ण खरा कोन थोटा?, कथामृतम, कनिकनीति, शंकराचार्य के भजनों पर आधारित स्तोत्र गंगा (दो भाग), अपरिचित रामायण (पांच भाग), गान सरस्वती किशोरी अमोनकर - आदि शक्तिचा धन्योदगार के अब तक 30 से अधिक संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं. उनकी लेखनी और बोलने की कला की विशेषता है. विषय पर उनकी विशेषज्ञता, गहन चिंतन, स्पष्ट रुख और सटीक व्याख्या चर्चित हैं.

खरी-खरी

देशभर में मनाई गई ईद-उल-अजहा, राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने दी मुबारकबाद

नई दिल्ली,07 जून (ए)। पूरे भारत में मुस्लिम समुदाय के लोग शनिवार को धार्मिक उत्साह और भक्ति के साथ बकरीद मना रहे हैं, जिसे ईद-उल-अजहा के नाम से भी जाना जाता है. इस दिन की शुरूआत देश भर के शहरों और कस्बों में मस्जिदों और ईदगाहों में विशेष सामूहिक प्रार्थनाओं के साथ हुई, जहां लोग पवित्र त्यौहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पोस्ट किया, ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं. यह त्योहार बलिदान, आस्था तथा अनेक उदात्त आदर्शों के महत्व को समझाता है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर समाज और देश के लिए समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लें.

पीएम मोदी ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, 'यह अवसर सद्भाव को प्रेरित करे और हमारे समाज में शांति के ताने-बाने को मजबूत करे. सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करता हूं.

ईद-उल-अजहा या 'बलिदान का त्यौहार', पर कुबार्नी की परंपरा हजरत इब्राहिम और उनके बेटे इस्माईल की अल्लाह के प्रति आस्था से जुड़ी है. बकरीद, जिसे ईद-उल-अजहा या बकरा ईद के नामों से भी जाना जाता है. इसे जिल-हुज्जा के 10वें दिन मनाया जाता है. भारत में आज यानी की 7 जून 2025 को बकरीद मनाई जा रही है. यह इस्लाम धर्म का प्रमुख त्योहार है जो त्याग, आस्था और समर्पण की भावना को दशार्ता है.

बकरीद के दिन पशु की कुबार्नी देना हजरत इब्राहिम (अलैहि सलाम) की अल्लाह के प्रति उनकी अटूट आस्था और निष्ठा को दशार्ता है. इब्राहिम की इसी आस्था और विश्वास को याद करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोग बकरीद पर पशु (बकरी, भेंड़) की कुबार्नी देते हैं, और मांस को परिवार, दोस्तों और जरूरतमंदों में बांटते हैं.

भारत में, यह त्यौहार बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है. दिल्ली और नोएडा में, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुबह-सुबह प्रमुख मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की. स्थानीय मस्जिद समितियों की घोषणाओं के अनुसार, नमाज का समय थोड़ा भिन्न था. नोएडा में, प्रार्थना सुबह 7:00 बजे के आसपास हुई, जबकि ग्रेटर नोएडा में, समय मस्जिद के आधार पर सुबह 6:45 बजे से 8:15 बजे तक था.

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण में, ठाकरे और शिंदे गुटों द्वारा समानांतर कार्यक्रमों की योजना के कारण ऐतिहासिक दुगार्दी किले के पास पुलिस की उपस्थिति बढ़ा दी गई थी.

भारत के अन्य हिस्सों में, समारोह शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहा. उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा में, सुबह की नमाज के लिए ईदगाह में बड़ी भीड़ एकत्र हुई. भागलपुर (बिहार) में, हजारों लोग तातारपुर मस्जिद, सीटीएस ग्राउंड और शाहजंगी मैदान में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए.

इसी तरह, भोपाल (मध्य प्रदेश) में ईदगाह मस्जिद में सुबह की ईद-उल-अजहा नमाज के दौरान काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे. बकरीद का जश्न पूरे दिन जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें परिवार उत्सवी भोजन, दान-पुण्य के कार्यों और सामुदायिक मेल-मिलाप के लिए एक साथ आएंगे. प्रमुख शहरों में अधिकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की है.

महाराष्ट्र के बाद बिहार विधानसभा चुनाव में होगी मैच फिक्सिंग

0-राहुल गांधी का बड़ा दावा

नईदिल्ली,07 जून (ए)। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसको लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।

कांग्रेस भी बिहार में दोबारा अपनी जमीन तलाशने की कोशिश कर रही है। लोकसाभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं।

इस बीच राहुल ने एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा है कि अब बिहार में भी मैच फिक्सिंग की तैयारी हो रही है।

राहुल ने एक्स पर समाचार पत्रों में छपे उनके लेख की प्रति साझा करते हुए लिखा, किसी चुनाव को किस तरह चुराया जाए। साल 2024 में हुआ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का खाका था। मेरा लेख दिखाता है कि महराराष्ट्र में इसे चरण दर चरण कैसे अंजाम दिया गया।

बता दें कि महाराष्ट्र में भाजपा ने शिंदे गुट की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से मिलकर बड़ी जीत दर्ज की थी।

राहुल ने चुनाव में धांधली करने के प्रमुख 5 चरणों का भी उल्लेख किया है।

उन्होंने एक्स पर आगे लिखा, पहला चरण - चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड ?ा, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण - फर्जी मतदान को ठीक वहीं लक्षित करना जहां भाजपा को जिताना है और पांचवां चरण- सभी धांधली के सबूत छिपा लेना।

राहुल की यह पोस्ट वायरल हो रही है। राहुल ने आगे लिखा, यह समझना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी? यह धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है, जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीतता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है। परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखने चाहिए। खुद फैसला करें। जवाब मांगें। क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अब बिहार में होगी और फिर वहीं, जहां भाजपा हार रही होगी।

राहुल ने लिखा, मैच फिक्सिंग चुनाव किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर के समान है। दरअसल, राहुल ने इस पोस्ट से भाजपा पर आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उसने मैच फिक्सिंग की तरह से धांधली की थी।

अप्रैल में राहुल ने अमेरिका के बोस्टन में कहा था कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा, वह समझौता कर चुका है।

उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2023 के मतदान आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि अंतिम 2 घंटे में लाखों वोट पड ?ा भौतिक रूप से असंभव है।

केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर संकल्प से सिद्धि तक अभियान चलाएगी दिल्ली भाजपा

0-जेपी नड्डा करेंगे घोषणा

नई दिल्ली,07 जून (ए)। केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर दिल्ली बीजेपी संकल्प से सिद्धि अभियान शुरू करेगी. अगले सप्ताह इस अभियान के तहत कौन-कौन से कार्यक्रम कब और कहां आयोजित किए जाएंगे, इसके पूरी डिटेल जानकारी प्रदेश भाजपा की तरफ से जारी किया जाएगा. इस संबंध में प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक अहम बैठक की है. जिसमें दिल्ली के सभी सातों सांसद, बीजेपी के विधायक, दिल्ली सरकार के सभी मंत्री और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तक शामिल हुई. इस बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा आदि बनाने पर चर्चा हुई. प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि संकल्प से सिद्धि अभियान की रूप रेखा तैयार करने और कार्यक्रमों की तैयारी पर चर्चा के लिए सभी बीजेपी नेताओं और दिल्ली की चुनी हुई सरकार के सभी मंत्रियों के साथ बैठक हुई. कार्यक्रम में केंद्र सरकार के 11 सालों की सत्ता में सेवा, सुशासन, गरीब जनकल्याण के लिए जो योजनाएं लागू की गई है, उसे जन-जन तक पहुंचाया जाएगा. इस दौरान

दिल्ली सरकार के 100 दिनों की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी लोगों को बताया जाएगा. प्रदेश बीजेपी के पदाधिकारी बताते हैं कि संकल्प से सिद्धि अभियान के तहत चलाए जाने वाले कार्यक्रमों की घोषणा 9 जून को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कर सकते हैं. 10 जून से सभी विधानसभा में बूथ स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन होगा. अभियान के तहत प्रोफेशनल मीट और शक्ति केंद्रों पर सभा का आयोजन किया जाएगा. इसके अलावा, केंद्र सरकार की योजना आयुष्मान भारत के लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन भी इस अभियान के दौरान किया जाएगा. यह अभियान 15 अगस्त तक चलने का निर्णय लिया गया है, जिसमें दिल्ली के सभी पार्टी के नेता पर चढ़कर हिस्सा लेंगे. वर्ष 2014 में केंद्र की सत्ता में बीजेपी आई थी. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 सालों में देश की राजधानी दिल्ली में भी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर बहुत जोर दिया गया. कुछ परियोजनाएं तो ऐसी हैं जिससे दिल्ली के प्रदूषण को कंट्रोल करने में मदद मिली. जबकि अन्य योजनाओं के जरिए दिल्ली को विश्व स्तर पर सरकारी आयोजन करने में कामयाबी हासिल हुई. इसमें भारत मंडपम का निर्माण, जहां पर सबसे बड़ा आयोजन जी 20 का हुआ. इस तरह के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए इससे पहले दिल्ली में जगह नहीं थी. द्वारका में एयरपोर्ट के समीप यशोभूमि का निर्माण भी केंद्र सरकार की योजना के तहत हुआ. 221 एकड़ में बना यशोभूमि एग्जीबिशन का बड़ा केंद्र बन गया है. दिल्ली के नई संसद भवन का निर्माण और सेंट्रल विस्टा योजना, इंडिया गेट तक जाने वाली कर्तव्य पथ को नया रूप दिया गया. इसी तरह मोदी सरकार की दिल्ली की सबसे बड़ी देन हाईवे प्रोजेक्ट्स हैं. वर्ष 2014 में जब बीजेपी सरकार सत्ता में आई थी उस वक्त ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरीफेरल प्रोजेक्ट दिल्ली और हरियाणा सरकार में मतभेद की वजह से लटकी हुई थी. इन प्रोजेक्ट को चरणबद्ध तरीके से तैयार किया गया. फायदा हुआ कि अब जो मालवाहक ट्रक हरियाणा से दिल्ली होते हुए यूपी आते-जाते थे, उन्हें अब लगभग सिग्नल फ्री रास्ता मिल गया और दिल्ली को यह फायदा हुआ कि ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से कुछ हद तक मुक्ति मिल गई.

पानी को तरस रहे पाकिस्तान ने फिर लिखा भारत को पत्र, सिंधु विवाद सुलझाने की पेशकश

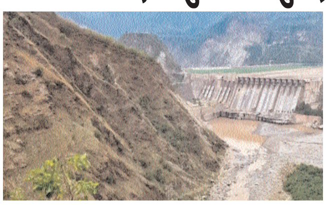

नईदिल्ली,07 जून (ए)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा रद्द किए गए सिंधु जल समझौते से पाकिस्तान में मुसीबत खड़ी हो गई। उसने एक बार फिर भारत सरकार से विवाद सुलझाने के लिए पत्र लिखा है। इससे पहले भी पाकिस्तान भारत को 3 बार पत्र लिख चुका है।

पाकिस्तान की ओर से विवाद सुलझाने के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय को पत्र लिखकर बातचीत के लिए अपनी पेशकश दोहराई गई है।

भारत पत्रों में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद रद्द हुई संधि को बहाल करने के लिए पाकिस्तान ने अप्रैल में पत्र भेजा था।

यह पत्र पाकिस्तानी जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा की ओर से भेजा गया था।

मुर्तजा ने अपने पत्र में संधि के उन विशिष्ट प्रावधानों पर चर्चा करने की पेशकश की थी, जिन पर भारत को आपत्ति है। इसके बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बाद से 3 और पत्र भेजे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अभी इस मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ बातचीत करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है और संधि स्थगित रखने पर ठना हुआ है।

जल संसाधन मंत्रालय को मिल रहे पाकिस्तान सरकार के पत्रों को लगातार विदेश मंत्रालय को भेज दिया गया है, जिस पर मंत्रालय ने कोई जवाब नहीं दिया है।

बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर आतंकवाद पर कार्रवाई न होने तक संधि बहाल करने के खिलाफ हैं।

जल संधि रद्द होने से पाकिस्तान को रबी फसल के लिए पानी नहीं मिल रहा है। अगर एक महीने तक पानी नहीं मिलता तो इससे फसल को काफी नुकसान होगा। यहां तक पीने के पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है।

हालांकि, पाकिस्तान की खरीफ की फसल को नुकसान नहीं होगा, क्योंकि वह मानसून पर निर्भर है।

वहीं भारत मानसून कम होते ही चिनाब, झेलम और सिंधु नदियों पर अपने जलविद्युत जलाशयों में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग ऑपरेशन को बढ़ाएगा।

जनवरी 2023 और सितंबर 2024 में भारत ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि की समीक्षा-संशोधन के लिए 2 पूर्व नोटिस भेजे थे, लेकिन पाकिस्तान ने बातचीत में दिलचस्पी नहीं दिखाई। जब भारत ने संधि रद्द की, तो पाकिस्तान बातचीत के लिए दबाव बना रहा है। विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच सिंधु जल संधि हुई थी।

इसके तहत सिंधु घाटी में बहने वाली 3 पूर्वी नदियों (रवि, सतलज, व्यास) पर भारत का, जबकि 3 पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) पर पाकिस्तान का अधिकार है।

कोरोना वायरस: नए मामलों में आ रही कमी, 5,755 पहुंची कुल संक्रमितों की संख्या

नईदिल्ली,07 जून (ए)। कोरोना वायरस के सक्रिय मरीजों की संख्या भले ही बढ़ रही हो, लेकिन पिछले 2 दिनों से 24 घंटे में मिलने वाले नए मरीज कम हुए हैं। 5 जून को 24 घंट में 564 नए मरीज मिले थे, इसके बाद 6 और 7 जून को रोजाना मिलने वाले मरीजों की संख्या कम दर्ज की गई है। शनिवार को पिछले 24 घंटे में 391 मरीज मिले हैं और इसके साथ ही भारत में सक्रिय मरीजों की संख्या 5,755 पहुंच गई है। 3 जून को 24 घंटे के अंदर 65 नए मरीज मिले थे, जिसके बाद भारत में सक्रिय मरीजों की संख्या 4,065 पहुंच गई थी। इसके बाद 4 जून को 276 मरीज मिले थे। 5 जून को 564 नए मरीज मिले थे और सक्रिय मरीज 5,866 पहुंच गई थी। फिर 6 जून को 498 नए मरीज मिले और शनिवार को पिछले 24 घंटे में 391 मरीज मिले हैं। दिल्ली और महाराष्ट्र में अब नए मरीज कम मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, शनिवार को सबसे अधिक मरीज केरल और गुजरात में मिले हैं। केरल में 127 और गुजरात में 102 नए मरीज मिले हैं।

इसके बाद दिल्ली में 73, तमिलनाडु में 27, महाराष्ट्र में 29 और पश्चिम बंगाल में 26 मरीज मिले हैं। उत्तर प्रदेश में 3, कर्नाटक में 7 और राजस्थान में 1 नया मरीज पिछले 24 घंटे में मिला है।

मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी की 787 फुट ऊंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढांचा मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी की 787 फुट ऊंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वजनी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढांचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुंदरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिजाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

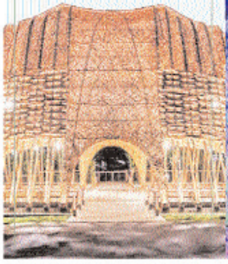

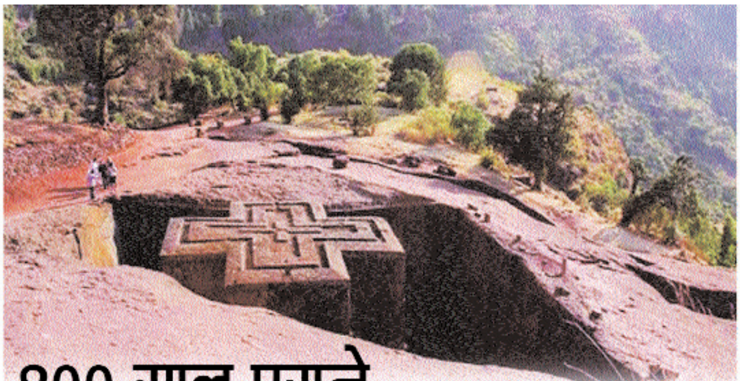

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च

जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

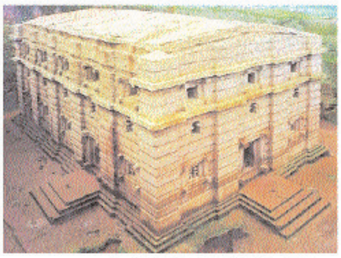

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हालांकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

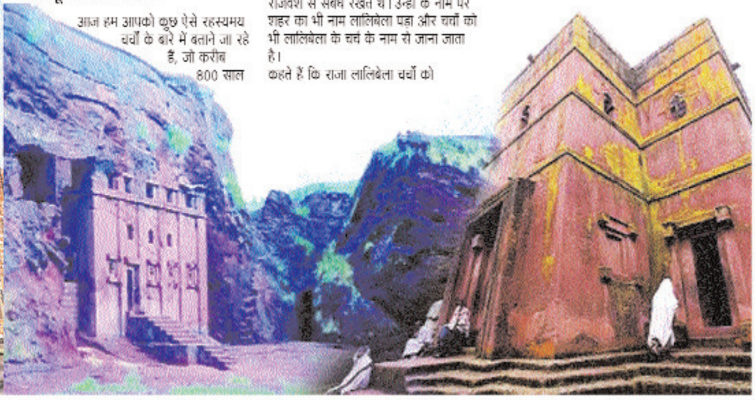

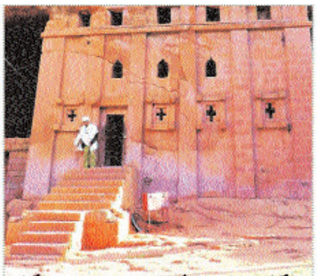

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारतें हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना हैं। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

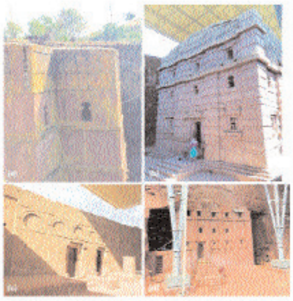

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार है कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता।

इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है। दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

फटाफट खबरें

कबीर जयंती पर मांस-मटन बिक्री रहेगी प्रतिबंधित

रायपुर महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर 11 जून 2025 को कबीर जयंती के अवसर पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। इस दिन निगम क्षेत्र के सभी पशुवध गृह और मांस-मटन विक्रय की दुकानें बंद रहेंगी। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कबीर जयंती के दिन मांस-मटन बेचते पाए जाने पर तत्काल जप्ती की कार्रवाई की जाएगी और संबंधित व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। नगर निगम के सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मांस-मटन दुकानों की सघन निगरानी करेंगे। वहीं, होटलों में भी इस दिन मांसाहारी भोजन परोसने पर प्रतिबंध रहेगा और उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कॉल मी सर्विस का विरोध तेज स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) सहित प्रदेश के अन्य शासकीय अस्पतालों में कार्यरत कॉल मी सर्विस के खिलाफ विरोध की आवाज तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जयसवाल से मुलाकात कर सेवा प्रदाता कंपनी का ठेका निरस्त करने की मांग की। संघ ने मंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि कॉल मी सर्विस कंपनी न सिर्फ शासन को आर्थिक नुकसान पहुँचा रही है, बल्कि सफाई एवं सुरक्षा कर्मियों का भी शोषण कर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि कंपनी के सुपरवाइजर और बाउंसरों द्वारा अस्पताल कर्मचारियों और पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जिससे मेकाहारा में भय और असंतोष का माहौल है।प्रांतीय सचिव चेतन सिन्हा ने बताया कि कंपनी ने वर्षों से अस्पताल प्रशासन से मिलीभगत कर ठेका प्राप्त किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों के साथ दुव्यवहार, काम का दबाव और पत्रकारों से अभद्रता जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जयसवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मेकाहारा में कॉल मी सर्विस का ठेका शीघ्र ही निरस्त किया जाएगा।

हिड़मा के गांव पूवर्ती में सीआरपीएफ ने शुरू किया 'गुरुकुल'

रायपुर बस्तर के सुदूर और कभी नक्सल प्रभाव वाले गांव अब शिक्षा और विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त रणनीति व सुरक्षा बलों के पराक्रम से बस्तर में नक्सलवाद अब तेजी से सिमट रहा है।इसी क्रम में सीआरपीएफ ने नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती और टेकलगुड़ेम में 'गुरुकुल' की स्थापना की है, जो इन क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख जगा रहा है। इन गुरुकुलों से अब तक 80 से अधिक बच्चे जुड़ चुके हैं। करीब दो दशक पहले तक सड़क से कटा यह इलाका अब मुख्यधारा से जुड़ रहा है। सीआरपीएफ बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी प्रोत्साहित कर रही है। डीआईजी आनंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि गुरुकुल में बच्चों को कॉपी-किताब की व्यवस्था के साथ समग्र विकास का माहौल दिया जा रहा है। सुकमा जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी ने बताया कि क्षेत्र में स्कूल निर्माण कार्य जारी है और शिक्षा से वंचित बच्चों को दोबारा स्कूलों से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है।

युक्त युक्तिकरण में भ्रष्टाचार पर व्यापक अभियान जारी रखने का निर्णय

शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश संचालकों की ऑनलाइन बैठक संपन्न

● रायपुर

शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ के प्रदेश संचालकों की आज ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें आंदोलन की सफलता पर बधाई देते हुए युक्त युक्तिकरण में व्याप्त व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर कड़ा विरोध जताया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि आंदोलन अनवरत जारी रहेगा और राज्यभर में भ्रष्टाचार उजागर करने के लिए पोल खोल अभियान चलाया जाएगा। बैठक में प्रदेश संचालकों ने बताया कि राज्य सरकार ने पुलिस फोर्स के सहारे शिक्षकों पर दबाव बनाकर काउंसलिंग करवाई, जिसमें वरिष्ठ शिक्षकों को अतिशेष बताया गया जबकि कनिष्ठ शिक्षक स्कूलों में तैनात किए गए।

युक्त युक्तिकरण की प्रक्रिया में जिला और विकासखंड के अधिकारियों ने संगठित भ्रष्टाचार किया है, जिससे आंदोलनकारियों ने गहरी नाराजगी जताई। आंदोलन के तहत 7 जून को राजधानी रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भ्रष्टाचार के दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएंगे। इसके बाद 10 जून को प्रदेश के 33 जिलों में धरना-प्रदर्शन और रैली कर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और 2008 का सेटअप पुनः लागू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। 13 जून को पांचों संभागों में भी इसी प्रकार के प्रदर्शन किए जाएंगे। शिक्षक साझा मंच ने युक्त युक्तिकरण में हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए पांच सदस्यीय तकनीकी टीम का गठन किया है। टीम को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर मिले सबूत 6 जून तक जमा करने होंगे, जिन्हें 7 जून की प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया जाएगा। मंच ने आगामी शाला प्रवेश उत्सव का भी बहिष्कार करने का निर्णय लिया है और आंदोलन के चार सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है। 5 सदस्यीय तकनीकी टीम के सदस्य - कृष्ण कुमार नवरंग,गिरिजाशंकर शुक्ला,बसंत चतुर्वेदी,चंद्रशेखर तिवारी,ईश्वर चंद्राकर। प्रदेश संचालक मंडल के प्रमुख सदस्य- मनीष मिश्रा, केदार जैन, संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे, विकास राजपूत, कृष्णकुमार नवरंग, शंकर साहू, राजनारायण द्विवेदी, जाकेश साहू, भूपेंद्र बनाफर, और अन्य।

राज्य सरकार की नई ट्रांसफर पॉलिसी को मिली मंजूरी, शिक्षा और पुलिस विभाग को रखा गया बाहर

रायपुर छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने वर्ष 2025 के लिए नई ट्रांसफर पॉलिसी को हरी झंडी दे दी है। इस नीति के तहत शासकीय कर्मचारी 6 जून से 13 जून तक ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 14 से 25 जून के बीच जिला स्तर पर प्रभारी मंत्री और राज्य स्तर पर विभागीय मंत्री द्वारा ट्रांसफर की मंजूरी दी जाएगी। हालांकि, इस नई ट्रांसफर नीति को कुछ महत्वपूर्ण विभागों से बाहर रखा गया है। इनमें शिक्षा विभाग, गृह (पुलिस), आबकारी, खनिज साधन, परिवहन, वाणिज्यकर, पंजीयन, निगम, आयोग, मंडल और स्वायत्त संस्थाएं शामिल हैं।

गौ तस्करी को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

रायपुर छत्तीसगढ़ में गौ तस्करी और गोवंश संरक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा की सरकार गौ तस्करी रोकने में पूरी तरह विफल रही है। भाजपा केवल गौ सेवा की बातें करती है, जबकि धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है। वर्मा ने आरोप लगाया कि पिछले 17 महीनों में छत्तीसगढ़ में गौ तस्करी और गौ वध की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने दावा किया कि हाईवे पर मौजूद टोल नाकों और पुलिस चेक पोस्ट को पार करते हुए मवेशियों से भरे कंटेनर बेरोकटोक निकल रहे हैं, और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गौ रक्षा के लिए गौठान जैसी योजनाएं शुरू की थीं, जिन्हें भाजपा सरकार ने बंद कर दिया, जिससे आवारा पशुओं की संख्या और तस्करी की घटनाएं बढ़ीं। सुरेंद्र वर्मा ने यह भी बताया कि हाल के महीनों में जितने भी गौ तस्करी के मामले उजागर हुए, उनमें स्थानीय गौसेवकों की तत्परता से ही कार्रवाई हो पाई है, न कि प्रशासन की पहल से। प्रवक्ता वर्मा ने गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने 'गौ सेवक कार्ड' जारी करने की बात कही थी।

ट्रांसफर नीति पर कांग्रेस का हमला, कर्मचारियों से भेदभाव

रायपुर छत्तीसगढ़ सरकार की नवीन ट्रांसफर नीति 2025 को लेकर राजनीतिक गलियारों में घमासान शुरू हो गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि नई ट्रांसफर नीति में शिक्षा, पुलिस, परिवहन, खनिज, वाणिज्य और पंजीयन विभाग के कर्मचारियों को नीति के दायरे से बाहर रखकर भेदभाव किया जा रहा है। धनंजय ठाकुर ने कहा कि राज्य में लगभग 4.5 लाख शासकीय कर्मचारी हैं, जिनमें से शिक्षा विभाग में 2.5 लाख शिक्षक, पुलिस विभाग में 70 हजार से अधिक, जबकि परिवहन, खनिज, वाणिज्य और पंजीयन विभागों में मिलाकर लगभग 40 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि जब 80त्न से अधिक कर्मचारियों को नीति से बाहर रखा गया है, तो यह किस प्रकार की समावेशी नीति कही जा सकती है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ट्रांसफर को लेकर पारदर्शिता से काम नहीं कर रही, बल्कि यह नीति कुछ विभागों में लेन-देन और दबाव की राजनीति को बढ़ावा देने का जरिया बन सकती है।

उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में तहसीलदार संघ ने राजस्व विभाग में ट्रांसफर के दौरान करोड़ों रुपये के लेन-देन के आरोप लगाए थे, लेकिन उन आरोपों की जांच अब तक शुरू नहीं हुई है। इसके उलट, संघ के पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई।, जिससे सरकार की नीयत पर सवाल खड़े होते हैं।

नाराज लोगों ने रूकवाया फ्लाई ऐश परिवहन का कार्य

कोरबा कोरबा जिले में सीतामणी इमलीडुग्गू क्षेत्र के लोगों व भिलाईखुर्द के भू-विस्थापितों ने जन स्वास्थ्य और हादसों के खतरे का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया। आरोप लगाते हुए उनका कहना हैं की मानिकपुर परियोजना के विस्तारित क्षेत्र में बिजली घरों की फ्लाई ऐश डंपिंग और इससे जन स्वास्थ्य का खतरा बढने की संभावना हैं।आरोप लगाते हुए उनका कहना हैं इस प्रकार खुले तरीके से फ्लाई ऐश का परिवहन सीतामणी इमलीडुग्गू मार्ग से किया जा रहा है, जबकि यह क्षेत्र घनी आबादी का है। सड़क के दोनों तरफ बस्ती है और हजारों की संख्या में लोग यहां निवासरत हैं। कई सार्वजनिक केंद्र भी यहां चल रहे हैं। ऐसे में भीड़भाड़ की स्थिति बनी रहती है। लोगों का कहना है कि इस रास्ते से होकर फ्लाई ऐश और कोयला सहित अन्य वाहनों

खनिज विभाग के सांसद प्रतिनिधि बने वरिष्ठ कांग्रेसी हारून मेमन

जिला एमसीबी हारून मेमन कांग्रेस पार्टी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दी है कांग्रेस में वरिष्ठ और गद्दावर नेताओं माने जाते कांग्रेस के सभी आंदोलन में या कांग्रेस के सभी कार्यक्रमों आयोजनों में उनकी उपस्थिति हमेशा दिखाई देती है, 35 साल राजनीतिक तजुर्बा और सभी कांग्रेसियों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने वाले कांग्रेस परिवार की सभी लोगों के साथ दुख सुख में चलने वाले को 6 जून ,कोरबा लोकसभा क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत के द्वारा वरिष्ठ कांग्रेसी हारून मेमन को खनिज साधन विभाग अपना सांसद अपना सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर उनके सभी वरिष्ठ कांग्रेसी और उनके मित्र ने हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर ने लिया संज्ञान- बेवा के घर का ताला खोलने पहुंचे तहसीलदार

कोरबा कोरबा जिले में बेवा के प्रधानमंत्री आवास में ताला लगा देने के मामले को कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने गंभीरता से लिया। उक्त मामला उनके संज्ञान में आते ही दर्री तहसीलदार को मौके पर भेजकर ताला खुलवाया गया। इसके साथ ही पीड़िता बेवा को उसका आवास फिर से मिल गया। पिछले दिनों सबसे पहले यह मामला सामने मीडिया ने लाया था कि जिले के दर्री तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम बरेडिमुड़ा में रहने वाली बेवा महिला के आवास पर राजमिस्त्री ने ताला लगा दिया हैं। पीड़िता ने एसडीएम कटघोरा कार्यालय में आवेदन देते हुए बताया था कि उसके पति के नाम आवास स्वीकृत हुआ है जिसके लिए प्राप्त राशि उसने राजमिस्त्री को दे दी है लेकिन उसके द्वारा आवास निर्माण करने के बाद उसमें ताला लगा दिया गया है।

शिक्षा और रोजगार पर हमला कर रही सरकार: पीसीसी चीफ दीपक बैज

● रायपुर,

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है। राज्य सरकार 10 हजार से अधिक स्कूलों को बंद करने और 45 हजार से अधिक शिक्षक पद समाप्त करने की तैयारी में है, जिससे दूरस्थ अंचलों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। बैज ने कहा कि सरकार का यह कदम न केवल शिक्षा विरोधी है, बल्कि रोजगार के अवसरों पर भी सीधा हमला है। स्कूल बंद होंगे तो चौकीदार, रसोईया और भृत्य जैसे हजारों सहायक पद भी समाप्त हो जाएंगे, उन्होंने सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि वह नई शिक्षक भर्तियों से बचने के लिए पद ही समाप्त कर रही है। जब पद ही नहीं होंगे तो भर्ती किस पर होगी? उन्होंने तंज कसते हुए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 57,000 शिक्षकों की भर्ती का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद अब तक भर्ती की प्रक्रिया भ्रमित करने वाली रही है पहले 33,000, फिर 20,000 और अब मात्र 5,000 पदों की बात की जा रही है। दीपक बैज ने खाद-बीज की कमी को लेकर भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष डीएपी खाद की 4.5 लाख मीट्रिक टन आवश्यकता है, लेकिन अब तक केवल 81 हजार मीट्रिक टन ही पहुंच पाया है। मानसून दस्तक दे चुका है और किसानों को बीज और खाद की दरकार है। सरकार की यह लापरवाही दर्शाती है कि वह किसानों की उपज घटाना चाहती है ताकि कम धान खरीदी करनी पड़े, उन्होंने कहा। कांग्रेस अध्यक्ष ने समर्थन मूल्य में मामूली वृद्धि को भी किसानों के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि महंगाई की दर 8त्न के आसपास है, लेकिन एमएसपी में केवल 3त्न की वृद्धि की गई है। सी2 फॉर्मूले के तहत लागत पर 50त्न लाभ देने का वादा करने वाली सरकार अब किसानों की आय बढ़ाने से पीछे हट रही है। व्यापारियों से जुड़े मुद्दों पर बोलते हुए दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में व्यापारियों के साथ दादागिरी, दुकान में जबरन ताले लगाना और मारपीट जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने प्रदेश की भाजपा सरकार के कई मुद्दों पर चर्चा की

कोरिया। जिला बैकुंठपुर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने अपने प्रवास के दौरान परशुराम चौक का लोकार्पण किया. इस दौरान कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत, विधायक भैयालाल राजवाड़े, नगरपालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे. परशुराम चौक में शंख की प्रतिमा लगाई गई है, जो एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक है इस आयोजन के पश्चात. चरण दास महंत का दौरा जनहित के मुद्दों पर रहा कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस अवसर पर डॉ. महंत ने कहा कि वह जनता की प्रदेश की सरकार से मांग की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए गरीब जनता की हित में काम करें नहीं तो कांग्रेस पार्टी रोड पर आंदोलन करना पड़ेगा.हसदेव अरण्य में पेड़ कटाई पर जताई चिंता- डॉ. महंत ने हसदेव अरण्य के जंगलों की कटाई और आदिवासी क्षेत्र की बच्चियों के शोषण की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से कठोर कदम उठाने की मांग की. उन्होंने कहा कि सरकार को इन घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। जिला के सभी बड़े प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर आवाज उठाई।

5 साल की बच्ची रेलवे पटरी पर खून से लथपथ पड़ी मिली-हालत नाजुक

कोरबा कोरबा जिले में दीपका थाना अंतर्गत शांति नगर स्थित रेलवे पटरी पर 5 साल की एक बच्ची मालगाड़ी की चपेट में आ गई। जानकारी के अनुसार आकृति सारथी नामक बच्ची खून से लथपथ हालत में मिली हैं। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

6 जून की सुबह राहगीरों ने देखा तो परिजनों को सूचना दी। परिजन बच्ची को तुरंत जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए। जांच के दौरान चिकित्सको ने बच्ची के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए।उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे अन्य चिकित्सालय में रेफर कर दिया गया। फिलहाल बच्ची कैसे ट्रैक पर पहुंची ये पता नहीं लग पाया है।

पुलिस मामले को संदिग्ध मान जांच कर रही है। चिकित्सालय में उपस्थित मरीज के अन्य परिजनों के मुताबिक बच्ची के माता-पिता के साथ दो अन्य लोग भी थे। हालांकि, कोई भी घटना की सटीक जानकारी नहीं दे पा रहा था।

परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हैं। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि जिला अस्पताल चौकी में मामले की सूचना दर्ज कर ली गई है। परिजनों का बयान अभी दर्ज नहीं हो पाया है। परिजनों ने बस इतना बताया कि बच्ची मालगाड़ी की चपेट में आ गई थी। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि बच्ची रेलवे ट्रैक के पास कैसे पहुंची और घटना किन परिस्थितियों में हुई।

सोनी सब के कलाकारों ने बताया कि किन महान कलाकारों ने उनके अभिनय के प्रति प्रेम को जन्म दिया

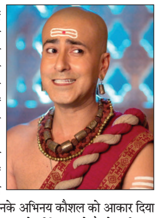

मुंबई। हर कलाकार के पीछे कोई न कोई प्रेरणास्त्रोत होता है, जिसने उन्हें सपना देखने की राह दिखाई होती है। सोनी सब के इन चहेते कलाकारों के लिए अभिनय का सफर सिर्फ शोहरत या दौलत पाने का जरिया नहीं था, बल्कि यह उन दिग्गजों के पदचिन्हों पर चलने की कोशिश थी जिन्होंने उन्हें गहराई से प्रभावित किया, उन्हें सिखाया और उनके सपनों को आकार दिया। इस भावनात्मक ट्रिब्यूट में सोनी सब के कलाकार उन महान हस्तियों के बारे में बता रहे हैं जिन्होंने उनके अभिनय कौशल को आकार दिया और आज भी उनकी कहानी कहने की कला को जीवित रखते हैं। तेनाली रामा में राजा कृष्णदेव राय की भूमिका निभा रहे आदित्य रेडीज ने कहा कि मुझे तो अभिनय ने खोजा, इससे पहले कि मैं उसे तलाश पाता। मुझे हमेशा कहानी कहने की कला ने आकर्षित किया – चाहे वह मंच हो या कैमरे के सामने। हर बार जब मैं किसी नए किरदार में ढलता, जो खुशी मिलती, वही मेरे फैसले को पुख्ता करती थी। शाहरुख खान की यात्रा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया है। वह एक नॉन-फिल्मी पृष्ठभूमि से आए, संघर्ष किया, लेकिन अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाई। टेलीविजन से फिल्मों तक उनका सफर इस बात का प्रमाण है कि अगर आप केंद्रित रहें और खुद पर विश्वास करें, तो सपने जरूर सच हो सकते हैं। उन्हें सफल होते देख हम जैसे कई कलाकारों को उम्मीद मिली। पुष्पा इम्पॉसिबल में 'पुष्पा' की भूमिका निभा रही करुणा पांडे ने कहा कि अग्निपथ में बच्चन साहब कमाल के थे – दरअसल, उनकी हर फिल्म में वो अद्भुत नजर आते हैं। फिर दिलीप कुमार, अशोक कुमार और गुरु दत्त जैसे कई दिग्गजों ने मुझे प्रेरित किया। जब बात अभिनेत्रियों की आती है – भारत और विदेश, दोनों जगहों से – मैं कई अभिनेत्रियों को पसंद करती हूं। हॉलीवुड में मेरिल स्ट्रीप मेरी सबसे पसंदीदा हैं, उनके साथ जूलिया रॉबर्ट्स भी। हिंदी और मराठी सिनेमा में यह प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है – हर अभिनेता कुछ अलग लेकर आता है, और अलग-अलग किरदारों ने मुझे अलग-अलग तरीकों से प्रेरित किया है। 'तेनाली रामा' में तेनाली रामा की भूमिका निभा रहे कृष्णा भारद्वाज ने कहा कि मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा मेरे पिताजी, आदित्य भारद्वाज रहे हैं। वह सिर्फ मेरे अभिभावक नहीं, बल्कि एक बेहतरीन अभिनेता और निर्देशक भी हैं। उन्हें मंच और स्क्रीन पर जादू बिखेरते देखना ही मेरे अभिनय के जुनून की शुरूआत थी। उनके समर्पण ने मुझे अनुशासन और जमीन से जुड़े रहने जैसी अहम बातें सिखाईं। तेनाली रामा में 'रामा' का किरदार निभाना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा था – और उस सपने का बीज उन्होंने ही बोया था। पुष्पा इम्पॉसिबल में 'प्रार्थना' की भूमिका निभा रहीं इंद्राक्षी कंजीलाल ने कहा कि मैं हमेशा ७० और ८० के दशक के बॉलीवुड अभिनेताओं और अभिनेत्रियों से बेहद प्रभावित रही हूं। उनके अभिनय में जो गरिमा और गहराई थी, वह आज भी दिल को छूती है। मुझे प्रीति जिंटा बहुत पसंद हैं – खासकर उनकी २००० के दशक की फिल्में। उनकी ऊर्जा, मासूमियत और अभिव्यक्ति की शैली ने मेरे बचपन में गहरी छाप छोड़ी। इन कलाकारों ने मेरी परफॉर्मेंस की समझ को आकार दिया और आज भी 'प्रार्थना' के किरदार को निभाते समय मुझे प्रेरणा देते हैं।

जिले में अब तक लगभग 50 प्रतिशत घरेलू कनेक्शन हुए स्मार्ट-शासकीय कार्यालयों की बारी

1100 कार्यालयों में लगाए जाएंगे स्मार्ट मीटर

● कोरब

कोरबा जिले के लगभग 50 फीसदी घरेलू कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूरा हो गया है। अब लगभग 1100 शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालयों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इसके लिए आदेश प्राप्त हो चुका है। स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

अब विद्युत वितरण कंपनी ने अगले चरण में 1100 से अधिक शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालयों के बिजली कनेक्शन से जोडने की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि बकाया बिजली बिल को लेकर निर्णय नहीं लिया गया है। विद्युत वितरण विभाग के शहरी क्षेत्र में लगभग 1500 से अधिक ट्रांसफार्मरों के माध्यम से 85 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने विद्युत कनेक्शन दिया गया है। सभी कनेक्शन को स्मार्ट मीटर से जोडने का काम जमीनी स्तर पर शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब तक 50 फीसदी से अधिक घरेलू कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। छूटे हुए घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। अब अगले चरण में शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालयों में लगाए गए बिजली मीटर के कनेक्शनों को भी स्मार्ट मीटर से जोडने की है। इसके लिए विद्युत वितरण कंपनी ने प्रक्रिया पूरी कर ली है।

स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी शुरू

विभाग ने 1100 शासकीय और अर्द्धशासकीय कार्यालयों में लगाए गए कनेक्शन का चिन्हांकन किया है। इसके साथ ही शासकीय कार्यालयों में भी स्मार्ट मीटर लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि इसके लिए विद्युत वितरण कंपनी ने एक निजी ठेका कंपनी को काम सौंपा है। कंपनी के कर्मचारी कार्यालय पहुंचकर पुराना बिजली मीटर हटाएंगे और नए यानी स्मार्ट मीटर लगाकर बीपी नंबर के माध्यम से मीटर को अपडेट किया जाएगा। बताया जा रहा है कि बकायादारों की सूची में कई शासकीय और अर्द्ध शासकीय कार्यालय भी शामिल हैं। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद प्री-पेड की व्यवस्था प्रारंभ हो जाएगी। हालांकि यह व्यवस्था कब से प्रारंभ होगी। इसे लेकर अभी विभाग ने स्पष्ट नहीं किया है।

दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल का किया गया वितरण

कोरबा कोरबा जिले में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत ट्राईसाइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत कोरबा के तत्वावधान में आयोजित किया गया, इस अवसर पर डॉ. पवन कुमार सिंह, अध्यक्ष जिला पंचायत कोरबा ने कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए दिव्यांग हितग्राहियों को ट्राईसाइकिल सौंपकर उन्हें सामाजिक मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश दिया। उनके साथ मंच पर जनपद उपाध्यक्ष पाली दिलहरण कुर्मी, जनपद सदस्य उत्तम औरकेरा, पूर्व जिला अध्यक्ष पवन गर्ग, विष्णु यादव, विवेक मारकंडे, विक्की अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

'सरदार 2' की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंचीं मालविका मोहनन

मलयालम और हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन अपनी अपकमिंग तमिल फिल्म 'सरदार 2' की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंच चुकी हैं। जासूसी-थ्रिलर फिल्म में वह अभिनेता कार्थी और रजिशा विजयन के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मालविका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर बैंकॉक के सेट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह शूटिंग की तैयारी करती दिखीं। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की टीम इस आखिरी शेड्यूल में कुछ रोमांचक एक्शन सीन्स और एक खास गाने को शूट कर रही है। 'सरदार 2' साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है, जिसे निर्देशक पी.एस. मित्रन बना रहे हैं। मालविका ने प्रशंसकों के साथ एक सोशल मीडिया सीजन के दौरान बताया था कि वह जून में इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इस फिल्म की शूटिंग 100 दिनों से अधिक समय से चल रही है और अप्रैल में टीम ने 100 दिन पूरे किए थे।

निर्देशक मित्रन ने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्सा शूट होना बाकी है और डबिंग का काम भी साथ-साथ चल रहा है। इवेंट में पता चला कि अभिनेता एसजे सूर्या फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम 'ब्लैक डैगर' है। सरदार 2 में कार्थी, एसजे सूर्या और रजिशा विजयन, मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और सजल अहमद भी अहम भूमिकाओं में हैं। सरदार 2 में जॉर्ज विलियम्स ने सिनेमैटोग्राफी और सैम सीएस ने संगीत दिया है। फिल्म के स्टंट को कोरियोग्राफ दिलीप सुब्बारायन ने किया है और सीक्वल की कहानी एमआर पोन, रोजू बिपिन रागु और गौवी ने लिखी है। फिल्म की कहानी में कार्थी के किरदार को कंबोडिया और फिर चीन में जासूस के रूप में मिशन पर भेजा जाता है। निर्माताओं ने हाल ही में एक प्रोमो जारी किया था, जिसमें अभिनेता एसजे. सूर्या को खलनायक 'ब्लैक डैगर' के रूप में दिखाया गया। फिल्म में कार्थी दोहरी भूमिका में हैं, जबकि मालविका का किरदार अभी गोपनीय रखा गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'सरदार 2' के अलावा, मालविका के पास प्रभास स्टारर 'द राजा साब' और 'हृदयपूर्णम' भी हैं।

सान्या मल्होत्रा ने 'मिसेज' में अपनी भूमिका के लिए जीता पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर सम्मान

स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर सबका दिल जीत लिया, जब उन्हें एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड इवेंट में पीपल्स चॉइस स्टार ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपनी सच्ची और सहज अभिनय शैली तथा हालिया फिल्म 'मिसेज' में प्रभावशाली किरदार के लिए जानी जाने वाली सान्या की यात्रा एक पावर परफॉर्मर से लेकर फैंस की फेवरेट बनने तक प्रेरणादायक रही है। सान्या ने इस सम्मान को लेकर एक भावुक और आभार भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा - मिसेज के लिए पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर अवार्ड से मुझे सम्मानित करने के लिए धन्यवाद। मैं अपनी टीम और उन सभी अद्भुत लोगों के प्यार, प्रेरणा और निरंतर समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं, जिन्होंने 'मिसेज' से गहराई से जुड़ाव महसूस किया। काफी खुशी है।

रेड कार्पेट पर सान्या मल्होत्रा का लुक वाकई में लाजवाब था—वो बेहद आकर्षक और स्वाभाविक रूप से खूबसूरत दिख रही थीं। उनकी खूबसूरती और सहज शैली ने शाम की शोभा बढ़ा दी, और यही आकर्षण उन्हें लाखों लोगों का दीवाना बना दिया है। उनकी हालिया फिल्म 'मिसेज' ने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। यह अवॉर्ड, जो जनता द्वारा चुना गया है, उनके और उनके फैंस के बीच के खास रिश्ते को दर्शाता है, और उनके ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन जुड़ाव को भी सम्मानित करता है। इस खास सम्मान के साथ सान्या की सफलता की कहानी जारी है। ठग लाइफ के गाने जिंगुचा में उनकी उपस्थिति ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं और फैंस से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। वहीं आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और अनुराग कश्यप तथा बॉबी देओल के साथ एक बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट उनके उज्ज्वल भविष्य की झलक दे रहे हैं। सान्या अब एक ऐसे दौर में हैं, जहां उनका हर किरदार उसी जुनून, गहराई और लगन से सजा है—जैसे इस खास रात में देखने को मिला।

क्या तलाक के बाद धनश्री वर्मा को है प्यार की तलाश?

हाल ही में कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा और क्रिकेटर युजवेंद्र चहल का तलाक हुआ है। तलाक के बाद युजवेंद्र चहल अपने करियर पर फोकस कर रहे हैं, साथ ही अफवाहें हैं कि वह आरजे महवश को डेट कर रहे हैं। धनश्री वर्मा भी अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। हालांकि वह अब प्यार की तलाश कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में धनश्री ने इस बात का खुलासा किया है।

प्यार करने के लिए तैयार हैं धनश्री वर्मा

द टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में धनश्री वर्मा ने अपने करियर और प्यार के बारे में बताया है। धनश्री वर्मा से पूछा गया कि क्या वह दोबारा प्यार करने के लिए तैयार हैं या अपने करियर पर फोकस करने के बारे में सोच रही हैं? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि तलाक के बाद एक बार फिर प्यार करने के लिए तैयार हैं।

धनश्री वर्मा देती हैं लक्ष्य पर ध्यान

बातचीत में धनश्री वर्मा ने कहा मैं हमेशा से अपने लक्ष्य पर ध्यान देती हूं। चाहे डेंटिस्ट के तौर पर मेरा काम हो या फिर अब एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मेरी चीजें हों। जब मैंने डांसिंग में अपना करियर बदला था, अपनी अकादमी खोली, कोरियोग्राफ करना शुरू किया, वायरल वीडियो बनाई, तब भी मेरा नजरिया इसी तरह का था। मुझे लगता था कि मेरी क्लास बेस्ट होनी चाहिए। ये तभी हो सकता था जब मैं ध्यान से काम करूं।

प्लान करके नहीं कर सकती प्यार

धनश्री ने आगे कहा फिर से प्यार करने की बात करें तो आप इन चीजों को प्लान नहीं कर सकते। आप पहले से यह तय नहीं कर सकते कि मैं आज से एक साल बाद प्यार में पड़ूंगी। प्यार एक बहुत अलग चीज है। मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी ये है कि मैं अपनी जिंदगी में आगे क्या करना चाहती हूं। फिलहाल मैं अपने काम पर ध्यान दे रही हूं। मैं खुद को बेहतरीन तरीके से प्रेजेंट करने पर ध्यान दे रही हूं।

प्यार करने पर बोलीं धनश्री वर्मा

दोबारा प्यार करने के सवाल पर धनश्री ने कहा- नसीब में अच्छा लिखा है तो क्यों नहीं? जिंदगी में प्यार किसे नहीं चाहिए होता है? फिलहाल मैं अपने करियर पर ध्यान दे रही हूं।

कैटरीना कैफ को पसंद आया देवर सनी का रैप सॉन्ग मिड एयर फ्रीवर्स

कैटरीना कैफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सनी कौशल के नए रैप सॉन्ग मिड एयर फ्रीवर्स की एक झलक साझा की और इसके साथ सनी के लिए एक छोटा सा प्रशंसा नोट भी लिखा। कैटरीना के अलावा वामिका गब्बी सनी कौशल का यह गाना शुक्रवार को रिलीज हुआ। इस गाने में सनी ने गीत लिखने और गाने दोनों का काम किया है। गाना पंजाबी स्टाइल और ऊर्जा से भरा है। कैटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, मुझे यह गाना बहुत पसंद आया, कमाल का है। वीडियो भी शानदार है। वहीं सनी की कथित गर्लफ्रेंड शरवरी वाघ ने भी गाने की तारीफ की और इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसमें उन्होंने फायर इमोजी के साथ सनी को टैग किया। शरवरी के अलावा वामिका गब्बी ने भी सनी की प्रशंसा करते हुए लिखा, यह गाना जबरदस्त है, तू आग है! मिड एयर फ्रीवर्स को अपसाइडडाउन और आइकॉनिक ने बनाया है। गाने में सनी काले सूट, दाढ़ी और शेड्स में शानदार दिख रहे हैं, जिसमें उनकी पंजाबी जड़ें साफ झलकती हैं। सनी ने गाने को शेयर करते हुए बताया कि इसे बनाना बहुत मजेदार था और उन्होंने उम्मीद जताई कि लोग इसे सुनकर उतना ही पसंद करेंगे। सनी आखिरी बार फिर आई हसीन दिलरुबा में नजर आए थे। कथित तौर पर सनी अब वह एक जासूसी कॉमेडी फिल्म में मेघा शंकर और निमरत कौर के साथ दिखेंगे। इस फिल्म की शूटिंग इस साल पूरी हो चुकी है और इसे लक्ष्मण उटेकर और टी-सीरीज बना रहे हैं।

रिलेशनशिप छिपाने में यकीन नहीं रखता

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान अक्सर अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जाने जाते हैं। आमिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी मुखर रहते हैं और उस पर बात करने से कतराते नहीं हैं। चाहे तलाक का मामला हो या फिर लव लाइफ का, आमिर खुलकर बात करते हैं। अब अमर उजाला के साथ बातचीत में आमिर ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे गौरी ने उनकी जिंदगी में शांति और संतुलन लाया, जबकि वे खुद थोड़े एक्स्ट्रीम स्वभाव के हैं। बातचीत के दौरान जब आमिर से पूछा गया कि गौरी ने आपको कैसे संभाला? तो आमिर ने कहा, 'देखिए, हर इंसान का दूसरों पर असर होता है। गौरी बहुत ही शांत और संतुलित हैं। मैं और गौरी दोनों एक-दूसरे से बहुत अलग हैं। लेकिन यही फर्क हमें एक-दूसरे की ओर खींचता है। जैसे कहते हैं 'अपोजिट्स अट्रैक्ट'।

लोग अपने रिश्ते छुपाते हैं, लेकिन...

दो शादियों से तलाक के बाद गौरी के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक करना कितना मुश्किल था। इस पर बात करते हुए आमिर ने कहा, 'अपने रिश्ते को सबके सामने स्वीकारना मेरे लिए बहुत बड़ा कदम था। मैंने गौरी को सबके सामने मिलवाया। इसका मतलब है कि मैं उनके लिए पूरा स्टैंड लेता हूं। बहुत लोग अपने रिश्ते छुपाते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करता। अगर मैं किसी का हाथ थामकर चलता हूं, तो मैं उन्हें सबके सामने सम्मान देना चाहता हूं। मेरी और उनकी इज्जत में कोई फर्क नहीं होना चाहिए। मैं कभी ऐसा कदम नहीं उठाऊंगा जिससे उनका दिल दुखे।'

प्रभास की फौजी पर आई नई अपडेट

पैन-इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों दो बड़ी फिल्मों, द राजा साब और फौजी में व्यस्त हैं। द राजा साब का प्रोडक्शन पूरा हो चुका है, जबकि फौजी की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में जोर-शोर से चल रही है। जानिए फौजी को लेकर नई अपडेट क्या आई है...

एक खबर के मुताबिक, फौजी के डायरेक्टर हनु राघवपुडी फिल्म फौजी के एक सीन के लिए एक विशाल विंटेज टिम्बर डिपो सेट तैयार करा रहे हैं, जिसमें वह फिल्म का एक भव्य खास सीन शूट करने की तैयारी में हैं। इस सीन में प्रभास के साथ फिल्म के कई मुख्य कलाकार हिस्सा लेंगे।

फिल्म फौजी

फौजी 1940 के ब्रिटिश भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित एक युद्ध और रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें प्रभास एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। इंस्टाग्राम स्टार इमानवी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और टॉलीवुड की सीनियर एक्ट्रेस जयाप्रदा भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का म्यूजिक विशाल चंद्रशेखर तैयार कर रहे हैं। इसे माइथ्री मूवी मेकर्स प्रोड्यूस कर रहे हैं।

द राजा साब

द राजा साब, मारुति द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। इसे पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित किया जाएगा। यह एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। इस फिल्म में प्रभास दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और ऋद्धि कुमार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी। वैसे यह फिल्म मालविका मोहनन की तेलुगु डेब्यू फिल्म है। हाल ही में फिल्म का एक और पोस्टर रिलीज हुआ और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया गया है। यह फिल्म 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी।

प्रभास का वर्कफ्रंट

प्रभास कई बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। प्रभास के पास द राजा साब और फौजी के अलावा स्पिरिट और सालार 2 जैसी फिल्में भी हैं। स्पिरिट की निर्देशन एनिमल फेम डाइरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी कर रहे हैं।

कार्तिक की तू मेरी मैं तेरा... में नजर आएंगी अनन्या पांडे

तिक आर्यन इन दिनों का फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान समीर विद्वांस ने संभाली है, वहीं करण जौहर इसके निर्माता हैं। अब इस फिल्म में अनन्या पांडे की भी एंट्री हो गई है। इसकी जानकारी खुद करण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर कर दी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा... हमारे रे की रूमी। करण ने जो पोस्टर साझा किया है, उसमें कार्तिक और अनन्या ही रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी अगले साल वैलेंटाइन डे से पहले रिलीज होगी। इसकी रिलीज की तारीख भी करण जौहर ने पोस्ट में शेयर की है।

स्टॉक मार्केट मिथक जो युवाओं को नहीं बनाने देते करियर

यदि आप भी उन लोगों में से एक हैं जो स्टॉक मार्केट में करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन इन बातों को सुनकर अपने कदम आगे नहीं बढ़ा पा रहे, तो हम आपको बता दें कि आपको आधा-अधूरा सत्य बताया गया है। आम तौर पर लोग अपनी गलतियों को नहीं गिनाते। यहां पर लोगों के पैसा डूबने का मुख्य कारण अत्यधिक लालच, जानकारी का अभाव, जल्दबाजी, रिसर्च का अभाव, रिस्क मैनेजमेंट न करना आदि होता है। शेयर बाजार में करियर उतना ही फायदेमंद है, जितना अन्य दूसरे फील्ड।

स्टॉक मार्केट बिजनेस नहीं, जुआ है

स्टॉक मार्केट की प्रतिष्ठा को जुए, सट्टे और अटकलों का बाजार कहा जाता है। इस तरह की गलत सूचनाओं को उन लोगों द्वारा फैलाया जाता है, जो रातों-रात अपने पैसे को चौगुना करने के प्रयास में अपने हाथ जला चुके हैं। यहां भी किसी अन्य व्यवसाय की तरह, आपके मन मे उचित जोखिम-वापसी की अपेक्षा होनी चाहिए। धन सृजन एक धीमी और स्थिर प्रक्रिया है। इसलिए, लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि, वे अपनी बचत को अच्छी कंपनियों मे बुद्धिमानी से लगाए और गर्वित शेयरधारक बनें। स्टॉक मार्केट ऐसे लोगों के लिए केवल एक जुआ है जो रातों-रात पैसा कमाना चाहते हैं और जल्दी पैसा कमाने के लिए दांव लगाते हैं।

स्टॉक मार्केट में हाई रिस्क

इस मार्केट में कमाई का पूरा खेल इक्विटी होल्डिंग में शामिल जोखिम और रिटर्न पर निर्भर करता है। शेयरों की कीमतों में हर दिन और कभी-कभी हर घंटे उतार-चढ़ाव आता है। हालांकि, अगर हम कुछ वर्षों का रिटर्न देखें तो कुल मिलाकर रिटर्न एक महीने या एक साल की अवधि में प्रदर्शित आंकड़ों से कहीं अधिक होगा। यह आपके लिए धैर्य यहां सफलता की कुंजी है।

स्टॉक मार्केट करियर एक स्थिर पेशा नहीं

प्रतिमाह निश्चित सैलरी पाने वाले लोग स्टॉक मार्केट को एक्स्ट्रा आय स्रोत के रूप में देखते हैं। लोग अपने जीवन में नियमित और निश्चित सैलरी चाहते हैं, लेकिन स्टॉक मार्केट से जुड़े लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। वे हर दिन अपने करियर को नई दिशा देते हैं।

स्टॉक मार्केट करियर केवल विशेषज्ञों के लिए

किसी भी स्किल में महारत हासिल करने में समय लगता है और ऐसा ही स्टॉक मार्केट के साथ भी है। वर्तमान समय में, पर्सनल इनवेस्टर्स स्टॉक मार्केट में सबसे बड़े भागीदार हैं। वित्त वर्ष 2023 में डीमैट खातों की कुल संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। खुदरा निवेशक 2022 में इक्विटी कैश मार्केट में कुल वॉल्यूम का 45 फीसदी योगदान करते हैं, जो 2016 में 33 फीसदी था। यह आंकड़े एक और मिथक को खारिज करते हैं।

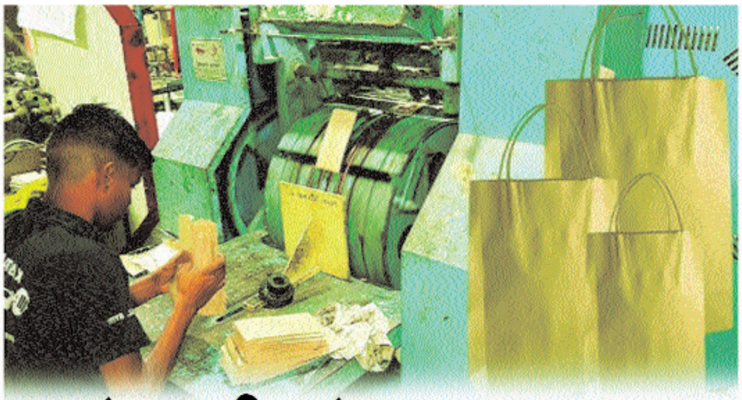

फायदेमंद साबित हो सकता है पेपर बैग का बिज़नेस

जब से भारत सरकार ने प्लास्टिक और पॉलिथीन की बनी थैलियों पर पाबन्दी की घोषणा की है तभी से कई सारे राज्यों में इसके इस्तेमाल पर काफी हद तक बैन लग चुका है। प्लास्टिक से बनी थैलियाँ इस कदर हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है की उन्हें पूरी तरह बंद करना काफी मुश्किल काम है और ये तभी संभव हो पायेगा जब इन पॉलिथीन की थैलियों का कोई विकल्प हमारे सामने होगा। तो इसका सबसे अच्छा विकल्प है पेपर बैग।

पेपर बैग का चलन हमारे देश में बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है। और वो दिन दूर नहीं जब दुकानों, शॉपिंग मॉल व हर जगह आपको सिर्फ पेपर बैग ही दिखाई देंगे। इस समय मार्केट में पेपर बैग की मांग बहुत ज्यादा है तो ऐसे में अगर आप खुद का बिज़नेस शुरू करने की सोच रहे है तो ये आईडिया आपके लिए बहुत ज्यादा फायदे वाला साबित हो सकता है क्योंकि इस बिज़नेस में कम्पीटीशन बहुत कम है और अगर आपने सही दिशा में जी तोड़ मेहनत कर ली तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

व्यापार का अवसर एवं क्षेत्र

प्लास्टिक थैलियों के मुकाबले पेपर बैग दिखने में काफी स्टाइलिश होते है। और बड़े शहरों में लोगो के बीच इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। निम्न जगहो पर पेपर बैग बहुत ज्यादा प्रचलित हैं - किराने की दुकानों पर, शॉपिंग मॉल मे, मेडिकल स्टोर्स पर, फल व सब्जियों की दुकानों पर पेपर बैग की मांग इतनी तेजी से बढ़ रही है की आने वाले कुछ सालों में पेपर बैग मेकिंग बिजनस अरबों रुपयों का हो जायेगा। इसकी सबसे बड़ी वजह ये है की ये इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ बहुत सस्ते भी है। पेपर बैग को आसानी से रीसाइकिल किया जा सकता है और वातावरण को इससे जरा भी नुकसान नहीं होता है। इसीलिए जितनी जल्दी आप यह बिजनस स्टार्ट करोगे आपको उतना ही ज्यादा प्रॉफिट होगा।

व्यापार के लिए जगह का चुनाव

किसी भी व्यापार के लिए सही जगह का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। बिज़नस शुरू करने से पहले कुछ बातो की पूरी जानकारी लेना बहुत जरुरी है क्योंकि अगर एक बार मशीनें इनस्टॉल हो गई तो उन्हें वापस से दूसरी जगह इनस्टॉल करना बहुत भरी पड़ सकता है। इसके लिए आप निम्नलिखित बातों को अवश्य ध्यान में रखें

- पेपर बैग मेकिंग बिजनस के लिए जगह ऐसी लोकेशन पर हो कि आसपास के लोगों को मशीनों की आवाज से कोई परेशानी न हो। इसके लिए आप शहर कुछ दूरी पर जगह का चुनाव करें ध्यान रहे उस जगह की शहर से ज्यादा दूरी न हो।
- उस जगह से शहर तक सड़क की अच्छी व्यवस्था हो।
- माल लाने व ले जाने के लिए गाड़ियों के पहुचने की व्यवस्था हो।
- पानी व बिजली की व्यवस्था हो।
- मजदूर आसानी से उपलब्ध हो।

व्यापार पंजीकरण

पेपर बैग व्यापार शुरू करने से पहले अपने बिज़नस को रजिस्टर करवाना बिलकुल भी न भूले। इसके लिए आपको अपने कस्बे या शहर की नगर-पालिका/नगर-निगम से ट्रेड लाइसेंस व साथ ही भारत सरकार की और से जारी की जाने वाली उद्योग आधार संख्या के लिए आवेदन करना होगा।

मशीनों की जानकारी

पेपर बैग बनाने के लिए मार्केट में कई सारी अलग अलग कंपनियों की मशीने उपलब्ध है। जिनमे से कुछ स्वचालित है तो कुछ को आपको खुद को ही चलाना होगा। ऐसी भी बहुत सारी मशीनें है जो पेपर बैग बनाने के साथ साथ उन पर प्रिंटिंग की सुविधा भी देती है। इन्ही सब खुबियों की वजह से इनकी कीमतों मे अंतर है। पेपर बैग बनाने की मशीन की कीमत 3 लाख रूपए से लेकर 20 लाख रूपए तक हो सकती है। जितनी महँगी मशीन होगी पेपर बैग का उत्पादन व गुणवत्ता उतनी ही अच्छी होगी। मशीन को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से खरीद सकते है।

आवश्यक कच्चा माल

पेपर बैग बनाने के लिए कई तरह के कागजों का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ कागज़ अच्छी क्वालिटी वाले तो कुछ बहुत ही हल्के होते है। अगर आप शॉपिंग मॉल को ध्यान में रखते हुए पेपर बैग बना रहे है जहाँ ग्राहकों द्वारा एक साथ कई सारे सामान, कपड़े और ग्रोसरी खरीदी जाती है तो आपको अच्छी गुणवत्ता वाला कागज ही इस्तेमाल करना होगा। अगर आप सस्ता विकल्प ढूंढ रहे है तो कागज़ के लिए अखबार का इस्तेमाल भी कर सकते है लेकिन यह आपके ब्रांड की वैल्यू मार्केट में कम कर देगा। यह आपको निश्चय करना है की आप कौनसा कागज इस्तेमाल में लेते हो। पेपर बैग बनाने के लिए ये चार चीज़े अत्यधिक आवश्यक है- पेपर रोल, चिपकाने के लिए गोंद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक, बैग स्ट्रिप।

पेपर बैग बनाने की प्रक्रिया

पेपर बैग बनाने का काम पूर्णतया मशीन द्वारा ही किया जाता है। सिर्फ एक व्यक्ति जो मशीन चलाना जानता हो आसानी से उस मशीन को ऑपरेट कर सकता है। आपको केवल एक बार जरुरी पेपर रोल, गोंद, छपाई के लिए प्रिंटिंग इंक मशीन में लगानी है उसके बाद मशीन स्वतः ही अपना काम करने लगती है।

कुल लागत का गणित

अगर आप छोटे स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते है तो आपको मशीन के लिए कम से कम 3 से 5 लाख खर्च करने पड़ेगें। मशीन के अलावा भी अन्य कच्चा मॉल, जगह का किराया, बिजली का बिल, मजदूर की तनख्वाह, ट्रांसपोर्टेशन का खर्चा मिलाकर इसकी कुल लागत 6 से 7 लाख रूपए तक पड़ेगी।

मार्केटिंग एंड प्रमोशन

अपने बिज़नस की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीका अपना सकते है। ऑफलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए आप अपने शहर के साथ-साथ नजदीकी शहरों या कस्बों में शोपिंग मॉल, किराने की दुकानों, फल व सब्जियों की दुकानों, मेडिकल स्टोर्स आदि पर जा कर अपने प्रोडक्टस के बारे में बता सकते है। इसके लिए आपको विजिटिंग कार्ड और पम्पलेट जिसमे अपने प्रोडक्ट की सारी खुबियाँ व मूल्य व्यवस्थित रूप से निर्धारित किये गए हो की जरूरत पड़ेगी। ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले आपको खुद को इसके लिए तैयार करना होगा। उन सवालों के जवाब आपको पहले से ही तैयार रखने होंगे जो आपके कस्टमर्स आप से पूछ सकते है।
कहने का मतलब ये है कि ऑफलाइन मार्केटिंग करने से पहले एक अच्छे इंस्टिट्यूट से मार्केटिंग की जरुरी स्किल जरुर सीख लें। और अगर आपके पास बजट ज्यादा है तो मार्केटिंग के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति को नौकरी पर भी रख सकते है। ऑनलाइन मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए कई सारे तरीके उपलब्ध है।
वर्तमान में लोगों के बीच इन्टरनेट की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए अपने प्रोडक्ट की मार्केटिंग या प्रमोशन के लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। ऑनलाइन मार्केटिंग का सबसे अच्छा फायदा यह है की इन्टरनेट की मदद से घर बैठे आप पूरी दुनिया में अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन कर सकते हो और इसमें होने वाला खर्चा भी ना के बराबर है। तो बिलकुल भी देर मत कीजिये और पेपर बैग किंग बनने की दिशा मे अपना पहला कदम जल्दी से जल्दी बढ़ाइये।

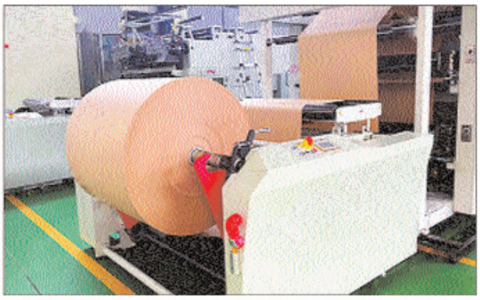

पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट

कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना हर युवा का सपना होता है। वहीं, यदि आप अभी भी इस बात को लेकर कन्फ्यूजन में हैं कि कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग के बाद क्या करें, तो यहां कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद कुछ बेहतरीन करियर हैं। कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट्स के लिए कई करियर ऑप्शन हैं और इससे करियर ग्रोथ भी ज्यादा होती है। कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में नौकरियां पा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

एक फुल-स्टैक सॉफ्टवेयर डेवलपर सॉफ्टवेयर प्रोग्राम बनाने के बेसिक काम में शामिल होता है। वे ऐसे एप्लिकेशन या प्रोग्राम बनाते हैं जो कंपैटिबल होते हैं ताकि सॉफ्टवेयर को किसी भी डिवाइस पर देखा और आसानी से संभाला जा सके और देखने के लिए बहुत पोर्टेबल हो।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

C, C++, C#, Java, Python और कई अन्य प्रोग्रामिंग भाषाएं हैं जिनकी सही कमांड की आवश्यकता होती है। इसलिए यह करियर बी-टेक छात्र के लिए कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद सबसे अच्छे करियर में से एक माना जाता है। एआई जैसी नई टेक्नोलॉजी की प्रगति के बावजूद, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की मांग और आवश्यकता वर्ष 2050 तक भी बरकरार रहेगी।

डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर

एक डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर मौजूदा सॉफ्टवेयर मॉडिफिकेशन की जाँच करता है। यह एक आवश्यक जिम्मेदारी है क्योंकि इसमें बहुत सतर्क रहना और कंपनी डेटाबेस और उसकी गुणवत्ता पर नियंत्रण बनाए रखना शामिल है। बैंकिंग, बीमा और सर्विस कंपनियों जैसे संगठन, एलिजिबल डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर को अच्छी जॉब देते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर

कंप्यूटर हार्डवेयर इंजीनियर विभिन्न कंप्यूटर हार्डवेयर कॉम्पोनेंट्स जैसे राउटर, सर्किट बोर्ड और मेमोरी डिवाइस का विकास, डिजाइन और परीक्षण करता है। इस काम के लिए टेक्निकल एक्सपर्टीज और क्रिएटिविटी के बीच अच्छे सहयोग की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करना उनका काम है कि हार्डवेयर ठीक से काम कर रहा है।

सिस्टम एनालिस्ट

कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट, इनफॉरमेशन सिस्टम के प्रत्येक संगठन का डीप एनालिसिस करने और उचित सुधार का सुझाव देने के लिए मौजूद होता है। बढ़ते आईटी बिज़नेस के साथ, कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट की मांग भी बढ़ रही है। फाइनेंस कंपनियों, सरकार, बीमा आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के कई अवसर हैं।

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट

कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट लोकल एरिया नेटवर्क, वाइड एरिया नेटवर्क, एक्स्ट्रानेट और इंट्रानेट के साथ नेटवर्किंग और कंप्यूटर प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी को डिजाइन, स्थापित और प्रबंधित करता है। काम डेटा प्रोसेसिंग और सहयोग के संदर्भ में संगठनों की इच्छाओं को पहचानना है।

वेब डेवलपर

वेब डेवलपर्स के पास पेज लेआउट, वेबसाइट स्टाइलिंग और पेज फीचर्स की मदद से किसी विशेष वेबसाइट पर विजिटर के अनुभव को ढालने का एक आकर्षक काम है। एक वेब डेवलपर को HTML, CSS, JavaScript जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की उचित समझ होनी चाहिए और यह समझना चाहिए कि एक सर्वर विभिन्न डिवाइस के साथ कैसे काम करता है। पूरी दुनिया में वेब डेवलपर्स की भारी मांग है। अगले दस वर्षों में इसके 13ल बढ़ने का अनुमान है।

प्रोजेक्ट मैनेजर

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के बाद यह सबसे अच्छे करियर में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजर का काम प्रोग्रामिंग टीम के प्रयासों को एक साथ लाना है और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए उनके काम का समर्थन करना है। एजुकेशन से लेकर स्वास्थ्य तक, लगभग हर उद्योग को प्रोजेक्ट मैनेजर की आवश्यकता है। इसलिए इस सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

सदाबहार करियर विकल्प पॉलिटिकल साइंस

पारंपरिक करियर विकल्पों में राजनीति विज्ञान यानी पॉलिटिकल साइंस का महत्व सदाबहार कहा जा सकता है। यह विषय समाज शास्त्र का एक हिस्सा है। इसके अंतर्गत प्रशासन की विभिन्न प्रणालियों और दुनिया भर में मौजूद राजनैतिक तंत्रों व उनकी नीतियों को पढ़ाया जाता है। इसमें अध्यापन-कार्य से लेकर शोध, चुनाव व कानून से जुड़े कार्यक्षेत्रों में काम किया जा सकता है। इस समय राजनीति विज्ञान के जानकार युवाओं की पॉलिटिकल व इंटेलिजेंस एनालिस्ट या कंसल्टेंट्स के तौर पर सेवाएं ली जा रही हैं।

देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर पर इस विषय पर आधारित कोर्सेज उपलब्ध हैं। इसलिए यह कहना कुछ हद तक सही है कि अन्य कोर्सेज की तुलना में इसमें दाखिला पाने के लिए ज्यादा मारामारी की स्थिति नहीं है। हालांकि, बेहतर मुकाम पाने के लिए इस विषय में उच्च अध्ययन की ओर रुख करना काफी महत्व रखता है। दूसरे पारंपरिक कोर्सेज की तुलना में करियर को संवारने के कहीं ज्यादा अवसर इस विषय की पढ़ाई के जरिये हासिल किए जा सकते हैं। अकादमिक और शोध कार्यों में दिलचस्पी दिखाने वाले छात्रों को देशी-विदेशी संस्थानों की स्कॉलरशिप हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके जरिए उन्हें आगे चलकर अध्यापन के बेहतर अवसर मिलेंगे।

स्कूल और कॉलेज में अध्यापन और शोध कार्यसहित अन्य क्षेत्रों में मौके होने के साथ ही हाल के वर्षों में कुछ नए करियर विकल्प भी उभरे हैं। इनमें से कुछ हैं-
पॉलिटिकल एनालिस्ट - राजनीति विज्ञान में पारंगत अनुभवी विशेषज्ञों के लिए यह काफी महत्वपूर्ण करियर कहा जा सकता है। इनका काम मुख्य रूप से राजनैतिक निर्णयों/सरकारी नीतियों आदि पर समीक्षात्मक टिप्पणी करना और उनकी कमियों को उजागर करना है। ये बतौर विशेषज्ञ, पॉलिटिकल पार्टियों की नीतियों और चुनावी घोषणाओं पर भी अपने विचार देते हैं।
सोशल मीडिया मैनेजर - आम जनता के बीच जनमत तैयार करने या किसी खास राजनैतिक दल के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार करने जैसे कार्यों को बखूबी अंजाम देने में इस विषय की पृष्ठभूमि वाले लोगों को काफी उपयोगी माना जाता है। यही कारण है कि सोशल मीडिया से जुड़ी नौकरी पाने में राजनीति शास्त्र के जानकार को ज्यादा परेशानी नहीं होती है।
पॉलिटिकल कंसल्टेंट्स - इनका काम चुनावी दंगल में प्रत्याशियों के लिए अधिकाधिक मत पाने की योजना तैयार करना और उन्हें सफलता के साथ लागू करना होता है। यह समझ जनता के साथ लंबे समय से संपर्क में रहने के बाद विकसित होती है। सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का अच्छा जानकार होना इस संदर्भ में महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।
इंटेलिजेंस एनालिस्ट- राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों की विचारधारा को समझते हुए उनके बारे में रिपोर्ट बनाना, इनके कार्य के दायरे में आता है। ऐसे विशेषज्ञ प्रायः अप्रत्यक्ष तौर पर काम करते हैं।
मार्केट सर्वे एक्सपर्ट- बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अपना नया उत्पाद बाजार में उतारने से पहले ऐसे विशेषज्ञों का सहारा लेती हैं, ताकि उन्हें समय-समय पर प्रतिक्रियाएं मिलती रहें। इस प्रकार वे अपने उत्पाद की त्रुटियों को न सिर्फ समझ सकते हैं, बल्कि उनमें समय रहते सुधार कर दोबारा मार्केट में उतार सकते हैं।
वकील के तौर पर करियर- राजनीति शास्त्रकी पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए एलएलबी करना सही रहता है। इनके लिए मुकदमों की बारीकियों को समझना आसान होता है। वहीं जनसंचार के क्षेत्र में ऐसे सफल पत्रकारों की कमी नहीं है, जिनके पास राजनीति विज्ञान की डिग्री है। ऐसे अवसर प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में मिल सकते हैं।

पाठ्यक्रम

यह बताने की जरूरत नहीं है कि राजनीति विज्ञान कोई नया विषय नहीं है। इससे जुड़े कोर्सेज भी पुराने या परंपरागत कहे जा सकते हैं। दसवीं के बाद ही प्रायः एक स्वतंत्र विषय के रूप में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई शुरू हो जाती है। ग्रेजुएशन स्तर पर बीए/बीए (ऑनर्स) कोर्स का प्रमुख तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में मेरिट के आधार पर ही नामी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके बाद मास्टर्स और पीएचडी तक की डिग्री हासिल की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा और मुक्त विद्यालयों से भी इस विषय की पढ़ाई विभिन्न विश्वविद्यालयों के माध्यम से की जा सकती है।

व्यक्तित्व में क्या हो खास

इस क्षेत्र में ऐसे युवाओं को करियर बनाने के बारे में सोचना चाहिए, जिनको देश-विदेश में चल रही राजनैतिक उथल-पुथल और सामयिक मामलों के बारे में जानने की गहरी दिलचस्पी हो। देश के बदलते राजनैतिक घटनाक्रम पर पैनी नजर और इसके सामाजिक एवं आर्थिक कारणों को समझने की दृष्टि और उनके आधार पर भावी राजनैतिक आहटों को समझने की क्षमता भी इस क्रम में एक विशिष्ट गुण कहा जा सकता है। इसके अलावा तथ्यों और तर्कों के आधार पर नीतिगत निर्णयों को समझने की काबिलियत को भी कम महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों में संवाद कौशल, भाषा पर नियंत्रण आदि का होना भी काफी मायने रखता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने वृक्षारोपण किया

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण से संबंधित अनेको कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के प्रति सभी लोगों में जन जागरूकता बढ़ाने हेतु मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद द्वारा शिवनाथ रेलवे कॉलोनी फेस-2, डब्लू आर एस कॉलोनी में पौधारोपण किया गया। विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार, ऑक्सीजन बढानें के पौधे लगाये गए। पौधा रोपण का कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों सहित संबंधित कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहें। एवं वृक्षारोपण में अपना योगदान दिया। जिसमे फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाये। प्रकृति की हरियाली की बढ़ोत्तरी हेतु वृक्षारोपण किया गया।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षक पहुंचे गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के दूरस्थ गांव

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के सुदूर और वनांचल क्षेत्र भरतपुर विकासखंड में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिला है। लंबे समय से शिक्षक विहीन या केवल एक शिक्षक के सहारे संचालित हो रहे प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं को आखिरकार योग्य शिक्षक मिल गए है। यह संभव हो सका है राज्य शासन द्वारा संचालित युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के सफल क्रियान्वयन से जिसने वर्षों से शिक्षा की कमी से जूझ रहे गांवों में नई उम्मीदें जगा दी हैं।

भरतपुर विकासखंड के प्राथमिक शाला बरेल और प्राथमिक शाला नेऊर कई वर्षों से शिक्षक विहीन थी। इन दोनों स्कूलों में अब शिक्षक पदस्थ कर दिए गए हैं। इसी प्रकार 69 प्राथमिक शालाएं ऐसी थीं, जहां केवल एक-एक शिक्षक कार्यरत थे, जिन पर बच्चों की पूरी जिम्मेदारी थी। अब युक्तियुक्तकरण के बाद इन सभी स्कूलों में अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। सबसे उल्लेखनीय बदलाव हाई स्कूल बड़गांव खुर्द में देखने को मिला है, जो गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के भीतर एक अत्यंत दुर्गम और पहुंच विहीन गांव है। यहां वर्षों से केवल एक अतिथि शिक्षक के भरोसे 26 बच्चों की पढ़ाई हो रही थी।

ग्रामीण लगातार शिक्षक की मांग कर रहे थे, लेकिन सुनवाई नहीं हो पा रही थी। अब युक्तियुक्तकरण के तहत यहां गणित और हिंदी विषय के व्याख्याताओं की नियुक्ति की गई है। इसी तरह देवशील, ढाब और खोखनिया जैसे वनवासी क्षेत्रों में स्थित शालाओं में भी वर्षों से शिक्षक की भारी कमी थी। देवशील गांव के प्राथमिक शाला में 57 बच्चे हैं, लेकिन केवल एक शिक्षक कार्यरत था। अब एक और शिक्षक की नियुक्ति यहां की गई है। ढाब गांव के स्कूल में भी शिक्षक की मांग लंबे समय से उठ रही थी, जिसे अब युक्तियुक्तकरण से पूरा किया गया है। खोखनिया गांव में प्राथमिक शाला में एक और माध्यमिक शाला में दो शिक्षकों की पदस्थापना हुई है। यहां कुल 87 बच्चे पंजीकृत हैं, जो अब बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। इन दुर्गम गांवों के ग्रामीणों ने शासन और शिक्षा विभाग के प्रति आभार जताते हुए कहा है कि अब उनके बच्चों का भविष्य उज्जवल होगा। युक्तियुक्तकरण ने न केवल स्कूलों को शिक्षक दिए हैं, बल्कि गांवों में शिक्षा की अलख भी जगा दी है।

न्यूज गैलरी

मोर गांव मोर पानी महाअभियान का हुआ शुभारंभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के जनपद पंचायत भरतपुर में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने हेतु मोर गांव मोर पानी महाअभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत भरतपुर के सभाकक्ष में क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों सहित पंचायत प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह, उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, जिला पंचायत सदस्य सुखमंती सिंह, जिला पंचायत सदस्य अनीता, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रविशंकर सिंह तथा जनपद सदस्य भारती बेनवंश, फूलबाई, रीना सिंह, अर्पिता सिंह, सविता गोंड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल संचयन एवं प्रबंधन की बारीकियों की जानकारी दी गई और समुदायों को जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने मोर गांव मोर पानी महाअभियान के उद्देश्यों की व्याख्या करते हुए बताया कि यह पहल केवल जल संरक्षण नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल व्यवस्था की नींव है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को भू-जल संरक्षण अभियान पानी की एक-एक बूंद बचाओ, कल को सुरक्षित करो, जल बचाओ, पेड़ लगाओ, जीवन और कल बचाओ जैसे प्रेरक नारों और अभियानों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीणों की सहभागिता सराहनीय रही और सभी ने एकजुट होकर जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।

जिले में पर्यावरण दिवस पर 63 सौ पौधे रोपे गए, 15 जून तक 15 हजार आवासों में वृक्षारोपण का लक्ष्य

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला पंचायत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के घरों पर 6 हजार 300 पौधे लगाए गए साथ ही जिले के अमृत सरोवर में 300 पौधों का रोपण किया गया।

जिला प्रशासन ने 5 से 15 जून तक 15 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना और पीएम जन मन के लाभार्थियों के घरों पर वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा, मनरेगा योजना के तहत निर्मित 25 अमृत सरोवर के किनारे 2 हजार 500 पौधे लगाए जाएंगे। इस अभियान के तहत सभी विद्यालयों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों और शासकीय भवनों में फलदार व औषधीय पौधे लगाए जाएंगे साथ ही महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत 11 हेक्टेयर भूमि पर 5 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। जिले के सभी विकासखंडों में क्लस्टर लेवल फेडरेशन)को एजेंसी बनाकर 5-5 एकड़ भूमि पर 1-1 हजार फलदार पौधे लगाने की तैयारी की गई है। यह कार्य बारिश के मौसम को ध्यान में रखकर पूरा किया जाएगा। जिला प्रशासन का यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों की आजीविका में भी सुधार करेगा। इस अभियान में जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

असर्वेक्षित ग्राम माखुरपानी, केराझरिया, सुर्वे व पेंड्राडीह के नक्शा के अंतिम प्रकाशन हेतु उद्घोषणा जारी, भू-धारक कार्यालयीन समय में सम्बंधित ग्रामो के पंचायत भवन में नक्शा, खसरा का कर सकते है अवलोकन

ग्रामों के जारी नक्शा शीटों, खसरों पर दावा आपत्ति आमंत्रित, व्यक्ति या संस्था १५ दिवस के भीतर दावा आपत्ति कर सकते है प्रस्तुत

कोरबा अम्बिकावाणी - कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जिला में असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण का कार्य प्रक्रियाधीन है। जिसके तहत राजस्व निरीक्षक मंडल व तहसील अजगरबहार अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर ०४ ग्राम माखुरपानी, पटवारी हल्का नंबर ०६ ग्राम केरीझारिया, पटवारी हल्का नंबर ०८ ग्राम सुर्वे, पटवारी हल्का नंबर १० ग्राम पेंड्राडीह से प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत किसी प्रकार की दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने से अंतिम प्रकाशन की कार्यवाही हेतु उद्घोषणा किया जाना है। सर्वेक्षण कार्य एजेन्सी आईआईटी रुड़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु तहसील अजगबहार अंतर्गत ग्राम माखुरपानी के ०१ नक्शा शीट, केरीझारिया के ०२ नक्शा शीट, ग्राम सुर्वे के ०१ नक्शा शीट एवं ग्राम पेंड्राडीह के ०१ नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराकर नक्शा व खसरा तैयार किया गया है।

हल्का पटवारी द्वारा तैयार अभिलेख खसरा व नक्शा भू-धारकों के अवलोकन हेतु संबंधित ग्रामों के पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध रहेगा। उक्त संबंध में हल्का पटवारी द्वारा तैयार किए गए नक्शा शीटों एवं खसरों पर दावा आपत्ति आमंत्रित है। किसी भी व्यक्ति या संस्था को तैयार किए गए नक्शा शीटों पर आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी १५ दिवस के भीतर लिखित / मौखिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत भवन में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

घुसपैठियों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक

00 उपमुख्यमंत्री की दो टूक- कहा हम प्रदेश को घुसपैठ का शिकार नहीं बनने देंगे

रायपुर। प्रदेश में अवैध घुसपैठ के प्रकरणों पर गंभीरता से कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंत्रालय महानदी भवन में उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के समस्त जिलों के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जिलेवार स्थिति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुवा, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, एडीजी इंटिलिजेन्स श्री अमित कुमार, सचिव श्रीमती नेहा चम्पावत, सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, के अलावा जिला स्तरीय नोडल अधिकारी और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केवल कुछ सीमावर्ती जिलों में ही नहीं, बल्कि समूचे प्रदेश में इस विषय को अत्यंत संवेदनशीलता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि हम प्रदेश को घुसपैठ का शिकार नहीं बनने दे सकते। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को सिर्फ एक रूटीन ड्यूटी न समझते हुए इसे राष्ट्र और समाज की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर उत्तरदायित्व मानकर पूरी निष्ठा से करें। उपमुख्यमंत्री ने घुसपैठियों के विरुद्ध कार्यवाही में दुर्ग जिले में अच्छे कार्य के लिए उन्हें बधाई दी। उपमुख्यमंत्री ने बैठक में जिलों में चिन्हित ₹हॉटस्पॉट₹ क्षेत्रों की पहचान कर वहां सघन तलाशी अभियान चलाने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान एवं पूछताछ और किरायेदारों के सत्यापन अभियान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी कहा कि दस्तावेजों के भरोसे केवल निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि व्यक्ति की भाषा, उच्चारण, पारिवारिक जानकारी, गांव, स्कूल और स्थानीय संपर्कों के आधार पर उसकी वास्तविक पहचान की पुष्टि की जाए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाए गए पहचान को केवल दस्तावेज देख कर सत्य नहीं माना जा सकता।

जानकी भाग - 1 की टीम मिले विस अध्यक्ष से, फिल्म देखने किया आमंत्रित

रायपुर। एन माही प्रोडक्शन के निमार्ता एवं निर्देशक मोहित साहू के द्वारा छत्तीसगढ़ी और हिन्दी के साथ 7 भाषाओं में बनी जानकी भाग - 1 की टीम ने शनिवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर उन्हें पूरे परिवार के साथ फिल्म को देखने के लिए आमंत्रित किया।

मुलाकात के अभिनेता दिलेश साहू ने विस अध्यक्ष को बताया कि उनके बड़े भाई मोहित साहू के द्वारा जानकी भाग - 1 का निर्माण किया गया है जो छत्तीसगढ़ के साथ पूरे भारत में 13 जून को छत्तीसगढ़ी, हिन्दी के साथ ही 7 भाषाओं में रिलीज होने जा रही है। छत्तीसगढ़ में यह फिल्म हिन्दी और छत्तीसगढ़ी दोनों भाषाओं में रिलीज होगी। सिनेमाघरों में छत्तीसगढ़ी व मल्टीप्लेक्स व पीवीआर में हिन्दी में रिलीज होगी। इस अवसर पर जानकी भाग-1 के कलाकार अभिनेता दिलेश साहू, अभिनेत्री अनिकृति चौहान, सहायक अभिनेता जीत शर्मा, म्यूजिक डायरेक्टर तोषांत कुमार वर्मा, मोनिका वर्मा के साथ ही फिल्म के पीआरओ विक्रम साहू उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर WOTR संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर। गोविंदपुर, नरकेली एवं सुंदरपुर झ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर WOTR संस्था द्वारा ग्राम गोविंदपुर, नरकेली एवं सुंदरपुर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति चेतना जागृत करना, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने की प्रेरणा देना एवं वृक्षारोपण के माध्यम से प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना था।

कार्यक्रम की शुरूआत पर्यावरण विषयक रैली से हुई, जिसमें ग्रामीणों, विशेष रूप से महिलाएं, किसानों और युवाओं ने हाथों में स्लोगन वाली तख्तियाँ लेकर पूरे गांव में घूमकर पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया। रैली के बाद सामूहिक रूप से श्रमदान किया गया, जिसमें प्लास्टिक कचरा हटाया गया और साफ-सफाई कर वातावरण को स्वच्छ बनाया गया। इसके पश्चात वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने मिलकर अपने-अपने क्षेत्रों में पौधे लगाए। पौधारोपण के दौरान यह भी समझाया गया कि पेड़ न केवल प्रदूषण को कम करते हैं, बल्कि भूमि की उर्वरता बढ़ाने, जल स्तर बनाए रखने और जैव विविधता को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान WOTR संस्था की टीम द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और सतत कृषि पद्धतियों के विषय में जानकारी दी गई। किसानों को यह बताया गया कि छोटे-छोटे कदम जैसे प्लास्टिक का सीमित उपयोग, जैविक खाद का प्रयोग, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण कैसे दीर्घकालिक रूप से उनके जीवन व आजीविका को बेहतर बना सकते हैं।

ग्रामवासियों, विशेष रूप से किसान भाइयों और बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम की सराहना की और इसे एक आवश्यक कदम बताया। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने ङ्घहञ्जक्र संस्था को इस महत्वपूर्ण एवं समयानुकूल पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, और संस्था ने भी ग्रामवासियों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

न्यायालय तहसीलदार मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
//इश्तहार//

सर्व साधारण ग्राम कठौतिया तहसील - मनेन्द्रगढ़/केल्हारी, जिला - मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं प्रकाशन किया जाता है कि आवेदक अमित कुमार आ. स्व. प्रवेश कुमार निवासी ग्राम कठौतिया द्वारा अपने भाई दीनू कुमार जिसका मृत्यु दिनांक 31/01/2023 को स्थान ग्राम कठौतिया में होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है। इस संबंध में अगर किसी को कोई आपत्ति है तो दिनांक 18/06/2025 तक इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी दावा आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के साथ आज दिनांक 04/06/2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
मनेन्द्रगढ़
जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)
//इश्तहार//

सर्व साधारण ग्राम शंकरगढ़ तहसील - मनेन्द्रगढ़, जिला - मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी- भरतपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं प्रकाशन किया जाता है कि आवेदक सेमलाल निवासी ग्राम डंगौरा द्वारा अपने पिता स्व. सुमार साय जिसका मृत्यु दिनांक 20/04/2025 को स्थान ग्राम शंकरगढ़ में होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किया है। इस संबंध में अगर किसी को कोई आपत्ति है तो दिनांक 13/06/2025 तक इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी दावा आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के साथ आज दिनांक 29/05/2025 को जारी किया गया।

तहसीलदार
मनेन्द्रगढ़
जिला - मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)
ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/..../अ-20(3)/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक लल्लू राम आ० स्व० लक्षन राम, श्रीमती सूरजवती पति स्व० प्रभूदयाल, देवसाय आ० स्व० प्रभूदयाल सभी निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० मुख्तारनामा आम दीनदयाल आ० लल्लू निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०, सल्लू राम आ० स्व० लक्षन राम निवासी केदारपुर अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर के द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व खाते की मोहल्ला केदारपुर भट्ठी रोड स्थित भूखण्ड क्रमांक 1951/73 रकबा 0.02 एकड़ भूमि को अनावेदक अजय सिंह भामरा आ० स्व० हरवंश सिंह भामरा उम्र 50 वर्ष निवासी भट्ठी रोड केदारपुर अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 25/06/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 04/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
क्षेत्रीय कायार्यालय अम्बिकापुर

वाहन विक्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

हमारी बैंक शाखा में वाहन जहां है, जैसा है आधार पर निविदा द्वारा विक्रय किया जाना प्रस्तावित है:-

क्र.	वाहन का विवरण	न्यूनतम आरक्षित	प्रारंभिक जमानत राशि
1.	Tata sumo gold (CG15CX0748)	1,28,500/- plus GST	10,000/-
2.	Tata sumo gold (CG15CX0609)	1,34,000/- plus GST	10,000/

वाहन निरीक्षण हेतु दिनांक 25/06/2025 तक प्रातः 11 बजे से 2.00 बजे तक बैंक परिसर में उपलब्ध रहेगी। इच्छुक खरीददार BID के दस्तावेज सेंट्रल बैंक की Sit- www.centralbank.co.in में निविदा की पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

1- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 30/06/2025 2.30PM
2- निविदा जमा करने का स्थान : सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर
3- वाहन निरीक्षण तथा अधिक जानकारी हेतु संपर्क : 7747809108, 8010306380
4- निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 30/06/2025 शाम 4:00 बजे

बैंक के पास बिना कोई कारण बताये कोई निविदा/सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया निरस्त करने अथवा स्थगित करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा।

दिनांक- 08/06/2025, स्थान अम्बिकापुर (छ.ग.)

मुख्य प्रबंधक
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर

स्पीड बाईक को खतरनाक ढंग से चलाने वाले बाईकर्स पर लगी तगड़ा जुर्माना

जशपुर, 07 जून (ए)। सड़क दुर्घटना में कमी लाने हेतु स्पीड बाइकर्स के 02 प्रकरणों में कुल 15,000 रू. का चालान काटा गया। दोपहिया वाहन की मोडिफाई कर खतरनाक रेसिंग करने वाले अनुराग तिग्गा निवासी घोलेंग के विरूद्ध 10 हजार रू. का चालान काटा गया। दूसरे प्रकरण में स्पीड बाइकर्स साहिल तिर्की के विरूद्ध 05 हजार रू. का चालान काटा गया। स्क्क ने उनके परिजनों को समक्ष में बुलाकर सख्त हिदायत दी। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत नियमित कार्यवाही की जावेगी। जिला जषपुर के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्र में नियमित रूप से नाकाबंदी कर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों का ब्रीथ एनलाईजर के माध्यम से चेक कर एवं तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले स्पीड बाइकर्स के विरुद्ध लगातार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में आज केटीएम ड्यूक दोपहिया वाहन की मोडिफाई कर खतरनाक तरीके से रेसिंग करने वाले अनुराग तिग्गा निवासी घोलेंग के

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में हारे, संन्यास को लेकर दिया बड़ा हिंट

पेरिस,07 जून। 38 वर्षीय नोवाक जोकोविच ने शुक्रवार, 6 जून को रोलांड गैरोस में फ्रेंच ओपन के पुरुष एकल सेमीफाइनल में विश्व के नंबर 1 जैनिक सिनर के साथ कड़ी टक्कर दी. 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन सिनर के खिलाफ यह काफी नहीं था, जिन्होंने एक कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-6, 5-7, 6-7 (3) से सीधे सेटों में जीत हासिल की.

3 घंटे और 16 मिनट तक चले इस जोरदार मुकाबले के बाद जोकोविच भावुक नजर आए. कोर्ट से बाहर जाने से पहले, उन्होंने अपना किटबैग नीचे रखा, पेरिस की मिट्टी को छुआ और दर्शकों की ओर हाथ हिलाया, उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, शायद यह संकेत देते हुए कि यह फ्रेंच ओपन में उनका अंतिम मैच हो सकता है.

उनके इस इशारे ने फैंस को आश्चर्यचकित कर दिया, जब तक कि जोकोविच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पल को संबोधित नहीं किया. तीन बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन ने स्वीकार किया कि वह अगले साल पेरिस नहीं लौट सकते.

जोकोविच ने कहा, यह मेरा यहां खेला गया आखिरी मैच हो सकता था, मुझे नहीं पता. इसलिए अंत में यह थोड़ा अधिक भावुक था. उन्होंने कहा, लेकिन अगर यह रोलैंड गैरोस में मेरा विदाई मैच था, तो यह एक शानदार मैच था - माहौल और दर्शकों का समर्थन अविश्वसनीय था. क्या मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं? हां, मैं चाहता हूं. लेकिन क्या मैं 12 महीने के समय में वापस आ पाऊंगा? मुझे यकीन नहीं है. अभी मैं इतना ही कह सकता हूं.

पिछले साल के उपविजेता जोकोविच ने न्यूयॉर्क में यूएस ओपन 2023 जीतने के बाद से अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीता है. पिछले साल वे विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्काराज की चुनौती को पार करने में विफल रहे. बाद में उन्होंने पेरिस ओलंपिक में स्पेन के खिलाड़ी को हराकर फिलिप-चैटियर कोर्ट पर स्वर्ण पदक जीता.

ओलंपिक पदक जीतने के बाद से, जोकोविच फॉर्म से ज्यादा फिटनेस से जूझ रहे हैं. उन्होंने जेवरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल से संन्यास ले लिया, हाल ही में अपने सबसे कठिन क्ले सीजन में से एक का सामना किया, मोंटे कार्लो और मैड्रिड मास्टर्स 1000 इवेंट दोनों में दूसरे राउंड में हार गए.

सर्बियाई खिलाड़ी अभी भी रिकॉर्ड-बढ़ाने वाले 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में हैं, लेकिन अब यह बहुत दूर की बात लगती है. हालांकि, उन्होंने अगले महीने शुरू होने वाले विंबलडन और इस साल के अंत में होने वाले यूएस ओपन में खेलने की इच्छा जताई, उन्होंने स्वीकार किया कि इस साल के बाद उनकी योजना अभी भी अस्पष्ट है. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया लौटने की संभावना को भी जाहिर किया, जहां उन्होंने अपने 24 प्रमुख खिताबों में से 10 जीते हैं.

जोकोविच ने कहा, ये टूनार्मेंट मेरे शेड्यूल में प्राथमिकता हैं. विंबलडन और यूएस ओपन. हां, वे योजनाओं में हैं. अभी मैं इतना ही कह सकता हूं. मुझे लगता है कि मैं निश्चित रूप से उन दोनों में खेलना चाहता हूं. बाकी के लिए, मैं इतना निश्चित नहीं हूं. विंबलडन हमेशा से मेरा बचपन का पसंदीदा रहा है. मैं खुद को तैयार करने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा. उन्होंने कहा, मेरे सबसे अच्छे मौके विंबलडन या शायद ऑस्ट्रेलिया में हो सकते हैं.

जोस बटलर ने पहले टी-20 में अर्धशतक जड़कर हासिल की खास उपलब्धियां

[redacted]

नईदिल्ली,07 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने शुक्रवार रात को वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 59 गेंदों पर 96 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इसकी बदौलत मेजबान टीम ने 21 रनों से जीत दर्ज कर ली। बटलर ने अपनी पारी में 6 चौके और 4 छक्के भी जड़े। इस दौरान बटलर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने 600 टी-20 रन भी पूरे कर लिए। आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं। बटलर के नाम अब वेस्टइंडीज के खिलाफ 23 टी-20 मैचों में 33.94 की औसत और 144.10 की स्ट्राइक रेट से 611 रन हो गए हैं।

वह रोहित शर्मा (693), डेविड वार्नर (662) और फिलिप सॉल्ट (640) के बाद ऐसा करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। यह बटलर का वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वां अर्धशतक रहा। वह इस मामले में रोहित और बाबर आजम के बराबर पहुंच गए। इस मामले में वार्नर (7) और विराट कोहली (6) पहले दो स्थान पर हैं। अपनी पारी के दौरान बटलर ने बतौर कप्तान अपने 1,000 टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन भी पूरे कर लिए हैं। वह सबसे तेज यह उपलब्धि हासिल करने वाले संयुक्त रूप से चौथे खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने बतौर कप्तान 31वीं पारी में यह आंकड़ा छुआ है। इस सूची में बाबर 26 पारियों के साथ पहले पायदान पर हैं। इसी तरह रोहित (29) दूसरे, कोहली (30) तीसरे और फाफ डु प्लेसिस (31) चौथे नंबर पर हैं। बटलर अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 135 मैचों की 124 पारियों में 35.95 की औसत और 147.01 की स्ट्राइक रेट से 3,631 रन बना चुके हैं। इसमें 1 शतक के अलावा 27 अर्धशतक भी शामिल है। वह इस प्रारूप में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

इसी तरह बटलर 449 टी-20 मैचों 423 पारियों में 35.70 की औसत से 12,747 रन बना चुके हैं। इसके 8 शतक और 90 अर्धशतक शामिल है।

मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने बटलर के अलावा जेमी स्मिथ (38) और जेकब बेथेल (23*) की पारियों के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया था।

जवाब में वेस्टइंडीज की ओर से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया और पूरी टीम 167/9 का ही स्कोर बना सकी।

इंग्लैंड के लिए अपना पहला टी-20 मैच खेल रहे लियाम डावसन ने 20 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट झटके।

विराट कोहली की बढ़ी मुश्किलें, बेंगलुरु भगदड़ मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज

बेंगलुरु,07 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की इंडियन प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीतने के बाद जश्न के दौरान हुई भगदड़ के संबंध में आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है. रियल फाइटर्स फोरम के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और मांग की कि इस घटना के सिलसिले में कोहली के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए. पुलिस को शिकायत की एक कॉपी मिल गई है और उसने जवाब दे दिया है. पुलिस ने कहा है कि वे भगदड़ के संबंध में पहले से दर्ज एफआईआर के साथ इस शिकायत पर भी जांच के लिए विचार करेंगे तथा उन्होंने रियल फाइटर्स फोरम के एम. वेंकटेश को अपना समर्थन दिया है. बता दें कि, बुधवार को आरसीबी के जीत के जश्न के दौरान एम. चिन्नास्वामी मैदान के पास भगदड़ मच गई थी. इस घटना में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई और 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए. इस मामले में आरसीबी, केएससीए और आयोजक संस्था डीएनए के अधिकारियों के खिलाफ पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है. साथ ही, पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार भी किया है.

इसके अलावा, हाईकोर्ट ने भी स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रहा है. इसके अलावा, राज्य सरकार ने मजिस्ट्रेट और रिटायर्ड हाईकोर्ट जज की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग गठित कर जांच के आदेश जारी किए हैं. मामले के बाद शहर के पुलिस कमिश्नर समेत 5 पुलिस अफसरों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है.

छोटी खबरें

आईपीएल 2025 के बाद श्रेयस अय्यर भारतीय टीम की कप्तानी की दौड़ में हुए शामिल

नईदिल्ली,07 जून। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की सफलता के बाद श्रेयस अय्यर का नाम भारतीय क्रिकेट में प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है। उन्होंने 2014 के बाद पहली बार पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

वह 17 मैचों में 604 रन बनाकर पीबीकेएस के प्रमुख स्कोरर भी रहे हैं। अब खबर आई है कि इस प्रदर्शन के बाद वह भारत की वनडे और टी-20 टीम के कप्तान की दौड़ में शामिल हो गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट के प्रभावशाली निर्णय निमार्ताओं में से एक ने कहा, एक महान कप्तान के रूप में श्रेयस आईपीएल 2025 से सबसे बड़ी उपलब्धि है। अभी वह सिर्फ वनडे खेलते हैं, लेकिन इस आईपीएल के बाद हम उन्हें टी-20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से भी बाहर नहीं रख सकते हैं। वह अब आधिकारिक तौर पर सीमित ओवरों की कप्तानी की दौड़ में भी शामिल हो गए हैं। बता दें कि वर्तमान में भारतीय वनडे टीम की कप्तानी रोहित शर्मा और टी-20 टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में हैं। इस बीच अधिकारी के बयान से साफ है कि टीम प्रबंधन अब श्रेयस को सीमित ओवर क्रिकेट में बतौर कप्तान प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि, यह अभी रिपोर्ट है और आधिकारिक बयान आने तक कुछ नहीं कहा जा सकता है, लेकिन आईपीएल 2025 में श्रेयस का प्रदर्शन उन्हें बेहतर कप्तान के रूप में पेश करता है।

श्रेयस का आईपीएल में कप्तानी का सफर बेहद सफल रहा है। उन्होंने आईपीएल 2018 के बीच में दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाली थी और 2019 में दिल्ली कैपिटल्स को दूसरे राउंड तक ले गए। 2020 में टीम को पहली बार फाइनल में पहुंचा दिया।

साल 2024 में श्रेयस ने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था।

भारत में 11 वर्षों में 269 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी से निकले बाहर: विश्व बैंक

नई दिल्ली, 7 जून। विश्व बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सरकार के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने पिछले दशक में अपनी अत्यधिक गरीबी दर को कम करने में प्रगति की है। देश में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत दर्ज की गई है। भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन लोग रह गए हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में लगभग 11 वर्षों में 269 मिलियन व्यक्तियों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे। वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया। विश्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि पूर्ण रूप से, अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन से घटकर केवल 75.24 मिलियन रह गई है। विश्व बैंक का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों का उपयोग कर) पर आधारित है, जो कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक कमी दशार्ता है।

विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की खपत पर (2017 की कीमतों पर आधारित पिछली गरीबी रेखा) अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में दर्ज 16.2 प्रतिशत से काफी कम है।

---------------------------- व्यापार----------------------------

धान में स्टेम बोरर्स से निपटने के लिए बेयर ने लॉन्च किया बीकोटा

बिलासपुर। कृषि एवं स्वास्थ्य से संबंधित लाइफ साइंस के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कंपनी बेयर ने बीकोटा को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह विशेष रूप से स्टेम बोरर कीट से निपटने में धान के किसानों की मदद के लिए तैयार किया गया प्रोडक्ट है। इन हानिकारक कीटों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बीकोटा में बेयर के एक्सक्लूसिव इनोवेशन को शामिल किया गया है। बीकोटा को जून, २०२५ से पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना समेत सभी धान उत्पादक राज्यों में उपलब्ध कराया जाएगा।

लॉन्चिंग के मौके पर मोहन बाबू, (क्लस्टर कमर्शियल लीड भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका, क्रॉप साइंस डिवीजन, बेयर) ने कहा बेयर अपने इनोवेशन के माध्यम से किसानों के जीवन को आसान बनाने के लिए प्रयासरत है। बीकोटा के माध्यम से हम न केवल चाहते हैं कि धान के किसानों की फसल सुरक्षित रहे, बल्कि समय एवं श्रम की लागत भी कम हो और उन्हें उपज व आय बढ़ाने में मदद मिले।

स्टेम बोरर्स से धान की फसल को बहुत नुकसान होता है, जिससे उपज कम होती है। बीकोटा तेजी से काम करते हुए इन कीटों का आहार रोक देता है और स्थायी सुरक्षा प्रदान करता है। एक बार प्रयोग करके किसान बाजार में उपलब्ध अन्य समाधानों की तुलना में लम्बे समय तक तक फसलों की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह जड़ो एवं पूरे पौधे के विकास में भी सहयोग करता है, जिससे फसल की सेहत ठीक रहती है है। यह ज्यादा उपज सुनिश्चित करने के साथ-साथ बदलते मौसम में स्टेम बोरर्स की चुनौती को दूर करता है।

बीकोटा प्रयोग की दृष्टि से सुरक्षित है और फायदेमंद कीटों के लिए भी सुरक्षित है। यही बात इसे किसानों के लिए पसंदीदा विकल्प बनाती है और इसे इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट (आईपीएम) प्रैक्टिस के लिए उपयुक्त बनाती है। अपने ग्रेन्युलर फॉमूर्लेशन के कारण यह प्रयोग में आसान है। इससे किसान आसानी से और तेजी से खेत में इसका छिड़काव कर पाते हैं।

गोल्ड लोन लेने वालों को आरबीआई की सौगात, अब पहले से ज्यादा मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली,07 जून। भारतीय रिजर्व बैंक ने गोल्ड लोन लेने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है. इससे छोटे कर्जदारों को राहत मिली है. दरअसल, रिजर्व बैंक ने 2.5 लाख रुपये तक के गोल्ड लोन के लिए लोन-टू-वैल्यू रेशियो को 75 फीसदी से बढ़ाकर 85 फीसदी करने का फैसला किया है. आरबीआई ने कहा कि नए नॉर्म 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगे. इससे पहले दिन में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संवाददाताओं को बताया कि आरबीआई ने 2.5 लाख रुपये से कम के छोटे लोन के लिए एलटीवी अनुपात को बढ़ाकर 85 फीसदी करने का प्रस्ताव दिया है. उन्होंने कहा कि एलटीवी अनुपात में ब्याज घटक भी शामिल होगा.

इसका मतलब यह है कि अगर आप 1 लाख रुपये का सोना गिरवी रख रहे हैं, तो आपको इस पर अब 75,000 रुपये की जगह 85,000 रुपये तक का लोन मिलेगा. इससे छोटे कारोबारियों या मध्यम वर्ग को सुविधा होगी, जो अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोने पर लोन लेते हैं.

लोन-टू-वैल्यू वह रेशियो है जो यह तय करता है कि आप सोने की कीमत पर कितने प्रतिशत लोन ले सकते हैं.

भारतीय शेयर बाजार में मजबूती, आरबीआई की ब्याज दरों में कटौती बनी सोने पर सुहागा

मुंबई, 7 जून। बाजार के जानकारों ने शनिवार को कहा कि घरेलू बाजार ने सप्ताह की शुरूआत कंसोलिडेशन के साथ करने के बाद, टैरिफ वॉर और भू-राजनीतिक तनाव की चिंताओं के बीच मजबूत प्रदर्शन दिखाया।

बाजार लगातार तीसरे सप्ताह कंसोलिडेशन में रहा, लेकिन अनुकूल घरेलू संकेतों के कारण करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा।

सप्ताह के अधिकांश समय सीमित दायरे में रहने के बाद, शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी से उछाल आया और वे सप्ताह के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गए।

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 82,188.99 और निफ्टी 252.15 अंक या 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,003.05 पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एसवीपी-रिसर्च, अजीत मिश्रा ने कहा, सप्ताह का मुख्य आकर्षण रिजर्व बैंक की नीति घोषणा थी, जिसने बाजार को आश्चर्यचकित कर दिया। केंद्रीय बैंक ने उम्मीद से कहीं ज्यादा रेपो रेट में 50 बीपीएस की कटौती और सीआरआर में 100 बीपीएस की कटौती की, जो एक मजबूत विकास समर्थक रुख का संकेत है। इसके अलावा, नीतिगत रुख को भी 'अकोमोडेटिवइ से 'न्यूट्रलइ में बदल दिया गया है।

केंद्रीय बैंक ने अपने आसान उपायों को आगे बढ़ाकर वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू विकास को पुनर्जीवित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है।

जबकि इस तरह के साहसिक दृष्टिकोण के धीरे-धीरे सामने आने की उम्मीद थी, यह निर्णायक कार्रवाई मुद्रास्फीति जोखिमों का प्रबंधन करते हुए आर्थिक सुधार का समर्थन करने के केंद्रीय बैंक के इरादे में विश्वास को मजबूत करती है।

इस सप्ताह, सेक्टोरल परफॉर्मेंस भी सकारात्मक रहा, जिसमें रेट-सेंसिटिव सेक्टर में मजबूत खरीदारी देखी गई। रियलिटी, ऑटो और बैंकिंग शेयरों ने रैली का नेतृत्व किया, जो क्रेडिट ग्रोथ कंज्यूमर सेंटीमेंट के लिए बेहतर दृष्टिकोण को दशार्ता है। फाइनेंशियल और एनबीएफसी को भी लाभ हुआ, क्योंकि ब्याज दरों में कमी से उधार लेने की स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

इसके विपरीत, अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में वैश्विक अनिश्चितताओं के लगातार बने रहने के कारण आईटी स्टॉक्स का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा।

ब्रॉडर मार्केट में मिडकैप और स्मॉलकैप दोनों इंडेक्स ने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया, जो निवेशकों के बीच रिस्क-ऑन सेंटिमेंट को दशार्ता है।

राजधानी

जवानों से मिलने हूं उत्सुक, जल्द आऊंगा छत्तीसगढ़, केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने एक्स पर जारी किया वीडियो

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को अपने ऑफिशियल चैनल एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है।

बोधघाट सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के संबंध में पीएम से हुई विस्तार से चर्चा - सीएम

00 दोनों परियोजनाओं से लगभग 7 लाख हेक्टेयर भूमि में हो सकेगी सिंचाई, 00 बस्तर के चहुमुखी विकास के लिए अहम साबित होगी परियोजना

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की है । उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहा है, इसी वजह से संभाग सिंचाई साधनों के विकास में पिछड़ गया है, संभाग में सिंचाई साधनों की समस्या को दूर करने और चहुमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना और इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बस्तर क्षेत्र के चहुमुखी विकास के लिए बोधघाट बहुउद्देशीय बांध परियोजना निर्णायक परियोजना साबित होगी। यह परियोजना, लंबे समय से इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। इंद्रावती, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक नदी है। गोदावरी जल विवाद अभिकरण के वर्ष 1980 के अवॉर्ड में भी अन्य योजनाओं के साथ इस परियोजना का उल्लेख है। इस अवॉर्ड में उल्लेखित अन्य परियोजनाओं का क्रियान्वयन दूसरे राज्यों द्वारा किया जा चुका है परंतु दूरस्थ अंचल में होने एवं नक्सल समस्या के कारण इस परियोजना को प्रारंभ नहीं किया जा सका।

बस्तर के विकास की रफ्तार होगी डबल - बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से संभाग में सिंचाई साधनों का दायरा बढ? के साथ ही बस्तर के विकास को डबल रफ्तार मिलेगी। इस परियोजना से 125 मेगावाट का विद्युत उत्पादन, 4824 टन वार्षिक मत्स्य उत्पादन जैसे अतिरिक्त रोजगार, खरीफ एवं रबी मिलाकर 3,78,475 हेक्टेयर में सिंचाई विस्तार एवं 49 मि.घ.मी पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगा। वही इंद्रावती- महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले की भी 50,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सहित कुल 3,00,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। बस्तर को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

क्या है बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना ?

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना, गोदावरी नदी की बड़ी सहायक इन्द्रावती नदी पर प्रस्तावित है। राज्य में इन्द्रावती नदी कुल 264 कि. मी. में प्रवाहित होती है। यह परियोजना दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड एवं तहसील गीदम के ग्राम बारसूर से लगभग 8 कि.मी. एवं जगदलपुर शहर से लगभग 100 कि. मी. दूरी पर प्रस्तावित है।

परियोजना की विशेषताएं

दोनों परियोजनाओं की अनुमानित लागत 49000 करोड़ रूपए है। जिसमें इंद्रावती-महानदी लिंक परियोजना की लागत लगभग 20 हजार करोड़ रूपए एवं बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना में लगभग 29 हजार करोड़ रुपए की लागत संभावित है। जिसमें हाइड्रोपावर इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्य, सिविल कार्य (सिंचाई) भी शामिल हैं। इस परियोजना में उपयोगी जल भराव क्षमता 2009 मि.घ.मी, कुल जल भराव क्षमता 2727 मि.घ.मी, पूर्ण जल भराव स्तर पर सतह का क्षेत्रफल 10440 हेक्टेयर सम्भावित है।

इन जिलों का होगा लाभ

बहुउद्देशीय बोधघाट बांध परियोजना से दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा जिले के 269 गांवों को बड़ा लाभ होगा। जबकि इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना से कांकेर जिले के अनेकों गांवों में सिंचाई सुविधा का विस्तार हो सकेगा। बस्तर संभाग को विकसित, आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में दोनों परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

न्यूज गैलरी

दिल्ली से लौटे सीएम,मंत्रिमंडल विस्तार पर कहा समय आने पर वो भी हो जायेगा

बोधघाट परियोजना, रिवर इंटरलिंकिंग पर पीएम मोदी से हुई चर्चा

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय एक दिन के संक्षिप्त दिल्ली प्रवास के बाद रायपुर लौट आए हैं। विमानतल पर मीडिया को उत्सुकता थी शायद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सीएम कुछ बतायेंगे,मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पीएम मोदी से क्या चर्चा हुई है। उन्होंने कैबिनेट विस्तार को लेकर केवल इतना कहकर विराम लगा दिया कि समय आने पर वो भी हो जाएगा।

सीएम साय ने बताया कि दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान प्रदेश के विकास की स्थिति को लेकर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ की बदली हुई तस्वीर को साझा करने का अवसर मिला यह सौभाग्य की बात है। इस दौरान बोधघाट परियोजना, रिवर इंटरलिंकिंग पर भी चर्चा हुई। इन दोनों परियोजनाओं से कई हेक्टेयर में सिंचाई संभव होगी। उन्होंने बताया कि बोध घाट परियोजना के बनने से 125 मेगावाट बिजली भी पैदा होगी। सीएम साय ने आगे बताया कि हमारे जवान मजबूती के साथ नक्सलवाद से लड़ रहे हैं इस पर पीएम मोदी को अवगत कराया। पीएम मोदी ने हमें नक्सलवाद पर लड़ाई को लेकर बधाई दी है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हमने भी उन्हे बधाई दी।

रात एक बजे नदी किनारे बर्थ डे मनायेंगे तो और क्या होगा..?

रायपुर। राजधानी के महादेव घाट इलाके में गुरुवार को आधी रात बीच सड़क पर युवक-युवतियों के बीच हो रहे मारपीट का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और लोग चटकारे भी लगा रहे हैं। हाफ पेंट में तंग कपड़ों के साथ लड़कियों की जो तस्वीर साझा हो रही है उसे देखकर तो यही लगता है कि लड़कियां भी मूड में थीं। वीडियो में तो मुकाबला बराबरी का दिख रहा है। हालांकि किसी पर कोई तोहमत नहीं लगा रहे,लेकिन एक लड़की की इस कदर कुटाई हो गई कि मुंह कान तक फूल गए हैं। आखिर यहां तक नौबत कैसे पहुंच गई कि पुलिस को इस घटना को संज्ञान में लेते हुए आदेश निकालना पड़ गया कि अगर किसी क्लब या बार में युवतियों और महिलाओं को फ्री एंट्री और शराब परोसी गई तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। इसका क्या मतलब हुआ? रात को एक बजे नदी किनारे बर्थ डे पार्टी वह भी साउंड सिस्टम के शोरगुल में, सेलिब्रेट करने का ये कौन सा तरीका हुआ। वीडियो को देखकर लगता है दोनों पक्ष बराबर के दोषी हैं। हालांकि पता चला है पुलिस ने काउंटर रिपोर्ट भी दर्ज की है, वास्तविकता सामने लाना जरूरी है और कड़ी कार्रवाई भी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

जो भी आदिवासी समाज की मदद करेगा वे उनसे सहायता जरुर लेंगे - नेताम

00 कांग्रेस के दौरान लाए गए उदारीकरण ने आदिवासी समाज के लिए खतरे की घंटी बजा दी थी 00 बैज कहीं ईसाई धर्म में मतांतरण तो नहीं हुए, धर्मांतरण को लेकर संघ की नीति स्पष्ट

रायपुर। नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम शामिल होने के बाद राजधानी रायपुर लौटे पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रमुख आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने एक निजी होटल में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहा कि कांग्रेस शासन काल के दौरान लाए गए उदारीकरण ने आदिवासी समाज के लिए खतरे की घंटी बजा दी थी लेकिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ संघ और आदिवासी समाज के बीच वैचारिक दूरियों को कम करने के उपायों पर खुली और सार्थक बातचीत हुई है और जो भी आदिवासी समाज की मदद करेगा वे उनसे सहायता जरुर लेंगे। आरएसएस की भाषा बोलने के बैज के बयान पर नेताम ने कहा कि दीपक बैज से एक बात जानना चाहता हूं कि कहीं वे ईसाई धर्म में मतांतरण तो नहीं हुए। धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस की नीति क्या है बताएं? धर्मांतरण को लेकर संघ की नीति स्पष्ट है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए नेताम ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद देते हुए संघ की कार्यशैली की सराहना की करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने संघ को करीब से समझा। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ उनकी खुली और सार्थक बातचीत हुई संघ और आदिवासी समाज के बीच वैचारिक दूरियों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत से आग्रह किया कि आदिवासी समाज में एकजुटता की कमी को दूर करने के लिए कोई रास्ता निकाला जाए क्योंकि कांग्रेस शासन काल के दौरान लाए गए उदारीकरण ने आदिवासी समाज के लिए खतरे की घंटी बजा दी थी। जब देश में सारी आशाएं खत्म हो गई थी तब संघ ही एकमात्र स्थान बचा है जो आदिवासी समाज की मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि संघ पहले आदिवासियों को वनवासी कहता रहा है, जिसका वे लगातार विरोध कर रहे थे लेकिन उनके दबाव के बाद अब संघ ने आदिवासी शब्द का उपयोग करना शुरू कर दिया है जो स्वागत योग्य है।

नेताम ने बताया कि पहले वे डीलिस्टिंग (अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाने) के खिलाफ थे, लेकिन अब धर्मांतरण को रोकने के लिए उन्होंने इस मुद्दे पर सहमति जताई है। आदिवासी समाज के जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के मुद्दे को भी नेताम ने संघ के सामने रखते हुए कहा आदिवासी समाज का अस्तित्व खतरे में है, तो जो भी इस पर मदद करेगा, हम उससे सहायता जरुर लेंगे और उन्हें उम्मीद है कि आरएसएस प्रमुख इस जरुर निर्णय लेंगे। नेताम ने कहा आरएसएस राजनीतिक संगठन नहीं है, लेकिन वैचारिक चिंतन मंथन होता है और वे आरएसएस के अनुशासन से प्रभावित हुए है। 5 महीना पहले जब संघ प्रमुख मोहन भागवत रायपुर आए थे तब उनसे संघ और आदिवासी समाज के बीच वैचारिक चर्चा कैसे हो? इस पर चर्चा हुई थी और उसके बाद परसों मंच पर जितने भी मुद्दा उन्होंने उठाया संघ प्रमुख ने उनका बखूबी जवाब दिया।

एनआईए ने माओवादी आशु कोर्सा के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

00 फरवरी 2024 में की थी सेना के जवान की हत्या

रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ में फरवरी 2024 में भारतीय सेना के जवानों की लक्षित हत्या के मामले में पहले गिरफ्तार किए गए एक आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। बीजापुर के आशु कोर्सा को जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष आईपीसी 1860 की धारा 302 सहपठित 120बी और यूए (पी) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है।

आरसी-13/2024/ एनआईए/ आरपीआर मामले में एनआईए की जांच से पता चला था कि आरोपी मोतीराम अचला की हत्या के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) की आपराधिक साजिश में शामिल था। पीड़ित की पिछले साल 25 फरवरी को अपने परिवार के सदस्यों के साथ राज्य के कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में उसेली गांव के मेले में जाने के दौरान सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडर ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। एनआईए ने स्थानीय पुलिस द्वारा मूल रूप से दर्ज किए गए मामले को 29 फरवरी 2024 को अपने हाथ में लिया था और जांच के दौरान पाया था कि आरोपी आशु कोर्सा सीपीआई (माओवादी) के तहत काम करने वाले उत्तरी बस्तर डिवीजन के कुयेमारी एरिया कमेटी का एक सक्रिय सशस्त्र कैडर था। उसने एक अन्य वरिष्ठ माओवादी नेता के साथ मिलकर मोतीराम अचला की पहचान की और स्थानीय बाजार में उसकी हत्या कर दी। उसे पिछले साल दिसंबर में एनआईए ने साजिश के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जिसका उद्देश्य उस क्षेत्र के लोगों के मन में दहशत पैदा करना था। एनआईए मामले में अपनी जांच जारी रखे हुए है।

बच्चों की करुण पुकार, बन्द हो पशुओं पर अत्याचार - नवकार जाप कर प्रार्थना

00 जिनकी चीखें कोई नही सुनता, उन पशुओं के अभयदान की भावना से सकल जैन समाज ने किया नवकार महामंत्र का जाप

रायपुर। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी सहित सकल जैन समाज ने पशुओं पर अत्याचार से द्रवित होकर जीवदया व अभयदान की भावना से नवकार महामंत्र का जाप किया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट, भैरव सोसायटी के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि विश्वभर में पशुओं पर अत्याचार का शोर है , आज प्रातः ही जिनमंदिर परिसर में एकत्र होकर बच्चों ने नवकार जाप किया। प्रार्थना में बच्चों की करुण पुकार बन्द हो पशुओं पर ये अत्यचार। जैन धर्म के सभी तीर्थंकरों ने अहिंसा परमो धर्म, करुणा, सभी जीवों के प्रति दया भाव से जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त किया है। भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने दो का संदेश विश्व को दिया जोकि वर्तमान में भी विश्वशांति के लिए प्रासंगिक है। विश्वपटल पर पशुओं के प्रति हो रही हिंसा के मद्देनजर अहिंसा करुणा दया व जियो और जीने दो के भावों के साथ छत्तीसगढ़ में जैनियों ने 7 नवकार महामंत्र का जाप किया। महेन्द्र कोचर ने आगे कहा कि नवकार महामंत्र का जाप समस्त विपत्तियों से रक्षा करने वाला मंत्र है, सकल जैन समाज के जगत के समस्त जीवों के प्रति अभयदान के शुद्ध भावों से किया गया नवकार जाप अवश्य ही जनभावनाओं को बदलने में सार्थक होगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के नव-नियुक्त अध्यक्ष श्रीनिवास ने किया पदभार ग्रहण

00 मद्दी का अनुभव स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के कार्यों को सुदृढ़ करने में होगा उपयोगी सिद्ध - सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नव नियुक्त अध्यक्ष श्रीनिवास मद्दी के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्री मद्दी को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मद्दी सामाजिक रूप से लंबे समय से सक्रिय हैं और उनके पास विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहरा अनुभव है। मुझे विश्वास है कि उनका यह अनुभव स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के कार्यों को सुदृढ़ करने में उपयोगी सिद्ध होगा। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अनेक नवाचारों के माध्यम से शासकीय कार्यों में पारदर्शिता ला रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना और विकास के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नक्सल उन्मूलन के साथ-साथ हम बस्तर में अधोसंरचना और पर्यटन विकास के कार्यों को गति दे रहे हैं, ताकि स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकें। हमने हाल ही में दुधारू पशु योजना के माध्यम से आदिवासी परिवार को दो अच्छी नस्ल की गाय प्रदान करने की शुरूआत की है, जिससे प्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ेगा और किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से हुई मुलाकात में प्रदेश के विकास को लेकर हुई महत्वपूर्ण चचाओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री से बस्तर में सिंचाई परियोजनाओं और इंद्रावती एवं महानदी को जोड? की महत्वाकांक्षी पहल के बारे में सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बस्तर के विकास के साथ-साथ यह विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि श्री श्रीनिवास के सामाजिक जीवन के लंबे अनुभव का लाभ निश्चित ही बेवरेजेस कॉर्पोरेशन को मिलेगा। उन्हें पहले भी वन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला था और उन्होंने बेहतर ढंग से दायित्व का निर्वहन किया। इस अवसर पर नई जिम्मेदारियों के लिए उन्होंने श्री मद्दी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक श्री किरण देव ने भी संबोधित किया एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सांसद श्री महेश कश्यप, सांसद श्री भोजराज नाग, विधायक श्री राजेश मूणत, विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री आशाराम नेताम, विधायक श्री चैतराम अटामी, विधायक श्री विनायक गोयल, विधायक श्री धरमलाल कौशिक, विभिन्न निगम-मंडलों के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक श्री श्याम धावड़े, आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
मानक पथप्रदर्शक 100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर
अम्बिकापुर रविवार 08 जून 2025

प्रेम से बोला गया एक शब्द भी अनेक दुःखी आत्माओं को शांति प्रदान कर सकता है।

मैनपाट के सुदूर ग्रामों में कलेक्टर की लगी जनचौपाल, लोगों से सुनी समस्याएं तथा आवश्यकताओं पर की चर्चा

पीएमजनमन योजनांतर्गत निमार्णाधीन सड़क, पीएम आवास का किया अवलोकन

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। कलेक्टर विलास भोसकर शनिवार को प्रशासनिक अमले के साथ विकासखण्ड मैनपाट में शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय कुमार अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ग्राम पंचायत कोट के सुदूर आश्रित ग्राम गिट्टीकला एवं बाघढोढा के ग्रामीणों से मिले। उन्होंने ग्राम गिट्टीकला में आम के पेड़ के नीचे जनचौपाल लगाकर लोगों से उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। उन्होंने पेयजल, बिजली, सड़क, राशन, स्वास्थ्य, आवास सहित अन्य सुविधाओं के सम्बन्ध में पूछा। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम में पेयजल की समस्या है, कलेक्टर श्री भोसकर ने इस हेतु कुंआ निर्माण तथा बोरवेल स्वीकृत किए जाने के निर्देश दिए। राशन दुकानों से खाद्यान्न लाने की समस्या के सम्बन्ध में कलेक्टर ने जिला खाद्य अधिकारी को प्रत्येक माह तारीख निर्धारित कर ट्रैक्टर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को समय पर राशन उपलब्ध हो जाए। उन्होंने सुशासन तिहार में आवेदन किए जाने के सम्बन्ध में तथा उनके निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने ग्राम की सरपंच से गर्भवती माताओं को संस्थागत डिलीवरी हेतु प्रेरित करने कहा, इसके सम्बन्ध में उन्होंने डीपीएम को कहा कि मितानिनों को निर्देशित करें कि समय-समय पर जांच एवं टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक लेकर जाएं। ग्रामीणों के स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण के लिए आने वाले मंगलवार को स्वास्थ्य कैम्प लगाए जाने निर्देशित किया। इसके पश्चात उन्होंने पहाड़ी कोरवा बाहुल्य ग्राम बाघढोढा में ग्रामीणों के साथ बैठकर उनसे बात की। इस दौरान पीएमजनमन योजनांतर्गत आवास स्वीकृति एवं निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने खाद्य अधिकारी को मड़वासराई में नवीन पीडीएस भवन बनाने हेतु कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को राशन लाने में ज्यादा दूर ना जाना पड़े। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने नहर निर्माण के सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाए जाने जिला पंचायत सीईओ को निर्देशित किया।

निमार्णाधीन सड़क का किया निरीक्षण, पीएम आवास योजना के हितग्राहियों से की बात

कलेक्टर श्री भोसकर ने यहां प्रधानमंत्री जनमन योजनांतर्गत पीएमजीएसवाई की निमार्णाधीन सड़क का अवलोकन किया तथा ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम मुसाखोल में पीएम आवास योजनान्तर्गत पहाड़ी कोरवा हितग्राही के निमार्णाधीन आवास का भी अवलोकन किया।

एन एच 130 स्थित जजगा में अज्ञात वाहन की ठोकर से राहगीर की हुई मौत, दो दिन में 3 की मौत

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे १३० स्थित जजगा में ६ जून दिन शुक्रवार की रात लगभग ८ बजे अज्ञात चार पहिया वाहन की ठोकर से राहगीर की मौत हो गई है। उक्त मार्ग में दो दिनों में तीन लोगों की मौत हो गई।

मृतक का नाम करमु राम पिता प्रेम साय धोबी उम्र लगभग ३० वर्ष ग्राम जजगा डोकरनारा निवासी बताया जा रहा है। सूचना उपरांत डायल ११२ के आरक्षक रामकुमार यादव चालक राकेश बड़ा शव वाहन चालक महमूद खान, भाजपा नेता विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे और शव को उठाकर परिजनों के साथ लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया और शव को मरचुरी में रखा गया है साथ ही घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई है।

तेज डायग्नोस्टिक ब्लड बैंक/सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल(MRM)हॉस्पिटल
बाबूपारा, खोड़ा तालाब के सामने अम्बिकापुर
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं . . .
जनरल सर्जरी : ऑपरेशन –
– सभी प्रकार के हर्निया, हाइड्रोसील
– पाइल्स (बवासीर)
– फिसर/फिस्टुला (भगंदर)
– स्तन संबंधी ऑपरेशन।
– पेट की बीमारियाँ (अपेन्डिक्स आदि) एवं पेशाब मार्ग की समस्याओं के ऑपरेशन।
– सभी सामान्य ऑपरेशन की सुविधा।
जनरल सर्जरी के ऑपरेशन हेतु
✦ आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित मेजर एवं माइनर ऑपरेशन थियेटर्स।
✦ सभी जीवन रक्षक उपकरणों की उपलब्धता से सुरक्षित ऑपरेशन की व्यवस्था।
✦ अनुभवी एवं कुशल शल्य चिकित्सा टीम।
✦ स्वच्छ वातावरण एवं सुव्यवस्था।
✦ उचित दरों पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा प्रदान करने हेतु संस्था संकल्पित है।
✦ आयुष्मान कार्ड सुविधा उपलब्ध एवं निःशुल्क ऑपरेशन, भर्ती एवं उपचार किया जा रहा है।

डॉ. मनोज भारती
MBBS, MS Surgeon
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090

जमीन दिलाने का झांसा देकर 79 लाख की ठगी

रुपए लेकर रजिस्ट्री नहीं कराई, रिटायर्ड कालरी कर्मी की पत्नी से हुई धोखाधड़ी

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। टाटा एआईए अंबिकापुर में पदस्थ महिला से जमीन दलाल ने ७९ लाख रुपए की ठगी कर ली। महिला ने कालरी कर्मी पति के रिटायरमेंट में मिले पैसे और अपनी जमा पूंजी जमीन दलाल को किश्तों में दे दी। जब जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई तो महिला ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद ठगी की एफआईआर दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक, रॉयल पार्क कॉलोनी निवासी टाटा एआईए में पदस्थ इंदु सिंह के पति अजीत कुमार सिंह एसईसीएल भटगांव से वर्ष २०२० में रिटायर हुए हैं। इससे पहले इंदु सिंह अपने पति के साथ अंबिकापुर के आसपास फॉर्म हाउस बनाने के लिए जमीन खोज रहे थे। टाटा एआईए में ही लीडर का काम करने वाले गणेश सिन्हा ने इंदु सिंह को बताया कि छोटे भाई का दोस्त निकुंज गुप्ता निवासी दत्ता कालोनी जमीन खरीद-बिक्री का काम करता है। उसने निकुंज गुप्ता से बात कराई।

निकुंज गुप्ता ने वर्ष २०१७ में इंदु सिंह उनके पति अजीत कुमार सिंह को रॉयल पार्क कॉलोनी के पीछे ले जाकर करीब पौने दस डिसमिल जमीन दिखाई और बताया कि उक्त जमीन अनिल अग्रवाल के नाम पर रजिस्टर्ड है।

अनिल की बहन को कैंसर हो गया है, जिसके इलाज के लिए जमीन बेचना है। उक्त जमीन का एग्रीमेंट अपने नाम से कराना बता कर जमीन का सौदा तय किया और एडवांस में रुपए मांगे। उन्होंने निकुंज गुप्ता को एक निकुंज गुप्ता ने कई किश्तों में रुपए लिए। मार्च २०१९ तक उन्होंने निकुंज गुप्ता को कुल १७ लाख रुपए दे दिया। जब उन्होंने रजिस्ट्री के लिए कहा तो निकुंज गुप्ता ने जमीन मालिक के बहन की तबीयत ज्यादा खराब होने का बहाना बनाया। उसने बताया कि टाईम आउट सिनेमा के सामने करीब २ एकड़ ३७ डिसमिल जमीन को २ राजवाड़े भाई बेच रहे हैं। उसने जमीन दिखाकर एडवांस में रुपए मांगे। २३ जुलाई २०१९ को निकुंज गुप्ता ने रामविलास राजवाड़े से परिचय कराते हुए एग्रीमेंट कराया।

एक करोड़ रुपए मांगे, अन्य लोगों से भी लिया पैसा

इंदु सिंह को झांसे में लेकर निकुंज गुप्ता लगातार रुपए लेता रहा। अप्रैल २०२२ में निकुंज गुप्ता ने कहा कि जमीन मालिक को एक करोड़ रुपए देना होगा, नहीं तो जमीन वाले जमीन बेच देंगे और आपका पैसा डूब जाएगा। पैसा डूबने के डर से इंदु सिंह ने अपने परिचित उमा शंकर गुप्ता से ६ लाख रुपए, अरविंद गुप्ता से २ लाख रुपए और आनंद मिश्रा से २ लाख रुपए निकुंज गुप्ता को दिलवा दिए। जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने पर यह राशि भी इंदु सिंह को वापस करनी पड़ी। इसके बाद से निकुंज गुप्ता ने फोन उठाना बंद कर दिया।

ठगी के रुपयों से खोली ट्रैवल एजेंसी

शिकायत में इंदु सिंह ने बताया कि निकुंज गुप्ता ने उससे कुल ७८ लाख ९७ हजार की ठगी की है और ठगी के पैसों से उसने ट्रैवल एजेंसी खोली है। रिपोर्ट पर गांधीनगर पुलिस ने धारा ४२० के तहत अपराध दर्ज किया है।

सरगुजा बास्केटबॉल लीग का आज हुआ समापन

विजेताओं खिलाड़ियों को दिया मेडल और ट्रॉफी

अंबिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में विगत दिनों से चल रही सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा सरगुजा जिला में बास्केटबॉल लीग का प्रतियोगिता का आज समापन हुआ।

समापन समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता के पार्षद आलोक दुबे, आरटीआई कार्यकर्ता डीके सोनी, निशांत सिंह गोल्डी उपस्थित रहे। आलोक दुबे ने बताया कि सरगुजा जिला के बास्केटबॉल खिलाड़ियों द्वारा विगत दिनों से चल रही लीग प्रतियोगिता में काफी उत्साह देखने को मिला। इन छोटे - छोटे बच्चों को देखकर काफी अच्छा लगा रहा है। आज कि इस युग में सारे बच्चे घर में मोबाइल और टीवी पर लगे हुए हैं परंतु या बच्चे सुबह शाम ग्राउंड आ रहे हैं या काफी अच्छी बात है।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि बास्केटबॉल खिलाड़ियों में काफी जोश और उमंग देखने को मिला रहा है। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में अंडर-१२ सरगुजा फायर फाइटर विजेता व ग्रीन फाइटर उपविजेता, अंडर -१४ सरगुजा इंदुमिनाटिस विजेता व सरगुजा चैलेंजर्स उपविजेता, अंडर -१९ बास्केटबॉल ब्लास्ट विजेता व सरगुजा हुपर्स एवं बालक वर्ग में अंडर-१२ सरगुजा चैंपियन विजेता व सरगुजा स्टार उपविजेता अंडर -१७ सरगुजा शूटर विजेता व आईपीएस क्लब उपविजेता रही। प्रतियोगिता के आयोजन समिति में रजत सिंह, नीलू सिंह, नेहा सिंह, कृष्णकांत ताम्रकार, आकाश गुप्ता, प्रिया जायसवाल, खुशबू गुप्ता ,स्नेहा, प्रतीक्षा गुप्ता थे।

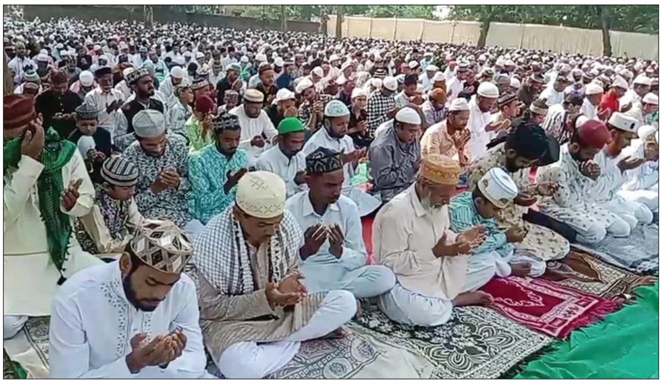

सरगुजा संभाग में ईद उल अजहा का त्यौहार अकीदत के साथ मनाया गया

नमाज के बाद समाज के लोगों ने देश में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। शनिवार को सरगुजा संभाग में ईद उल अजहा का त्यौहार अकीदत के साथ मनाया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने ईदगाह और मस्जिदों में ईद की दो रकत नमाज अता की गई। नमाज के बाद लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद उल अजहा की बधाई दी। नमाज के बाद समाज के लोगों ने देश में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। वहीं समाज के लोगों द्वारा नमाज उपरान्त कुबार्नी की रस्म अदा की गई।

बता दें कि मुस्लिम समाज द्वारा बकरीद के त्यौहार को लेकर लंबे समय से तैयारियां की जा रही थी। ईद उल अजहा को लेकर ईदगाह व मस्जिदों में कमेटियों द्वारा व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए गए थे। ईद उल अजहा को लेकर इस बार लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। ईद उल अजहा की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। ईदगाह में पेश इमाम द्वारा बकरीद के बारे में जानकारी देने के साथ ही लोगों ईमान के रास्ते पर चलने, आपसी भाईचारे की सीख दी गई। शनिवार को ईदगाह में सुबह ८.३० बजे बकरीद की नमाज अता की गई। ईदगाह में जामा मस्जिद के पेश इमाम अबरार अहमद द्वारा ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई गई जबकि जामा मस्जिद में ९ बजे हाफिज व कारी असीमुद्दीन द्वारा नमाज पढ़ाई गई वहीं तकिया शरीफ व केंद्रीय जेल में भी लोगों नमाज पढ़ी। शहर के रसूलपुर स्थित नाजमिया मस्जिद में सुबह ७.३० बजे मोहम्मद सगीर अहमद मिस्बाही द्वारा नमाज पढ़ाई गई। इसके साथ ही शहर व जिले की ईदगाह, मस्जिदों में नमाज पढ़ाई गई। नमाज के बाद समाज के लोगों ने अपने व परिवार के सुख समृद्धि के साथ ही देश में अमन चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। ईद उल अजहा के मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को गए मिलकर ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी। नमाज के बाद समाज के लोगों ने कब्रिस्तान में जाकर अपने परिवार के सदस्यों की कब्र पर फातिहा पढ़ने के बाद कुबार्नी की रस्म अता की। बकरीद को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व कब्रिस्तान में व्यापक इंतजाम किए गए थे।

युवा राष्ट्र के धरोहर के रूप में वह पूंजी हैं जिससे राष्ट्र का नव निर्माण होना है-पाण्डेय

सड़क सुरक्षा- जीवन रक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता के लिए शहर में आयोजित हुई विश्वविद्यालय स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। संत गहिरागुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में सड़क सुरक्षा एवं नशा मुक्ति पर आधारित विश्वविद्यालय स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन अम्बिकापुर के सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में दिनांक ६ जून २०२५ को कुलपति प्रो. पी. पी. सिंह, राज्य रा.से.यो. अधिकारी डॉ. नीता वाजपेयी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो एवं रा.से.यो. समन्वयक डॉ. एस. एन. पाण्डेय के मुख्यातिथ्य में किया गया।

कार्यशाला के प्रथम दिवस का आगाज द्वीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना, राज्य गीत एवं विश्वविद्यालय के कुल गीत से किया गया। कार्यक्रम में मंचाशीन अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन व जिला संगठक प्रो. खेमकरण अहिरवार के कुशल नेतृत्व में पुष्प गुच्छ, श्रीफल व साल के साथ स्वागत गीत गायन से किया गया। तत्पश्चात उद्घाटन सत्र के दौरान रासेयो समन्वयक डॉ. एस. एन. पाण्डेय ने कार्यशाला के महत्व को बताते हुए स्वयंसेवकों से कहा कि आप राष्ट्र के धरोहर के रूप में वह पूंजी हैं जिससे राष्ट्र का नव निर्माण होना है, आप युवा हो और आपको राष्ट्र के बदलते स्वरूप में अपनी अहम भूमिका निभानी है, आपको नशा मुक्त भारत का सपना साकार करनी है। इसी सत्र में

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. पी. पी. सिंह ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको यातायात नियमों का सदैव पालन करना है और दूसरों से करवाना है, बेहतर समाज के लिए स्वयं बेहतर होना बहुत जरूरी है। विश्वास जीत की पहली सीढ़ी है इसलिए अपने आप पर विश्वास करो की आप समाज के विकाश की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, आपको कई लोग एक मॉडल के रूप के देख रहे हैं, यदि इस सोच के साथ आप राष्ट्र निर्माण में लग जाएं तो राष्ट्र का विकाश एवं स्वस्थ व सुरक्षित समाज का विकास निश्चित है।

कार्यशाला के महत्व के तरफ स्वयं सेवकों का ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य रा.से.यो. अधिकारी डॉ नीता वाजपेयी जी ने कहा कि सुरक्षा नियमों के पालन से आप, आपका परिवार, आपका कुल एवं आपका समाज सुरक्षित रहता है।

सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा पर विस्तार से चर्चा करते हुए माननीय मुख्य अतिथि अतरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का समाज सुधार में, अनुशासन में, राष्ट्रीय भावना को जगाने में, सुरक्षा में अहम योगदान है। आपको इसी तरह प्रयास करते हुए एक नशा मुक्त सभ्य समाज का निर्माण करना है। इसी कड़ी में यातायात नियमों का पालन व उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंचाशीन अतिथि, यातायात एस.आई., श्री अभय कुमार तिवारी जी ने कहा कि रासेयो के युवा राष्ट्र के रक्षा इकाई की तीसरी पंक्ति है, दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्वयं का सुरक्षा बहुत आवश्यक है इसलिए आपको यातायात नियमों से अवगत होना है एवं इसका पालन करना भी है और कराना भी है।

कार्यक्रम का समापन समारोह आज दिनांक ७ जून २०२५ को 'सड़क यातायात सुरक्षा एवं नशा मुक्त समाज के लिए युवा' विषय पर निबंध, पोस्टर, भाषण व रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं प्रत्येक विधा में आए प्रथम व द्वितीय स्थान के स्वयं सेवकों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के पश्चात श्री दिनेश टांक, सहायक संचालक, राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर ने यातायात पर अपना विचार व्यक्त करते हुए स्वयं सेवकों से कहा कि आपको सदैव अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बड़ी ही सतर्कता से करनी है, उत्साह के साथ करनी है, लोगों को प्रेरित करते हुए करनी है। राष्ट्र हित में चल रहे योजनाओं को जानना है और लोगों को जागरूक भी करना है। उन्होंने मोटिवेशनल कविताओं के माध्यम से सभी स्वयं सेवकों को अपने जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए उत्साहित किया।

कार्यक्रम के अन्त में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा जी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन मंचाशीन सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट कर किया। इस कार्यशाला में स्थानीय कार्यक्रम अधिकारी श्री विनितेश गुप्त, देवेंद्र दास सोनवानी, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राकेश राय, श्रीमती सुनीता दास, सुश्री सीमा बंजारे एवं विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों से आए हुए स्वयसेवकों के साथ उनके कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अतिशेष सूची बनाने में लापरवाही पर लिपिक निलंबित

शिक्षक साझा मंच ने कहा.. अगर गलती हुई है तो पूरी सूची व प्रक्रिया को निरस्त कर पुनः पारदर्शी तरीके से सूची बनाई जाए

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। जिस प्रकार से डीईओ आफिस के एक लिपिक को अतिशेष सूची बनाने में अनियमितता व लापरवाही होने कारण निलंबित किया गया है उससे यह तय है कि अतिशेष निर्धारण कर जिस तरह सूची बनाई गई है। सूची में बहुत से मिस्टेक है। और उस विसंगतिपूर्ण सूची अनुसार ही काउंसलिंग का आयोजन किया गया। शिक्षक साझा मंच का कहना है कि उक्त कार्यवाही बताती है कि अधिकारी खुद स्वीकार कर रहें है गलती हुई...। अगर गलती हुई है तो पूरी सूची व प्रक्रिया को निरस्त कर पुनः पारदर्शी तरीके से सूची बनाई जाए व काउंसलिंग का आयोजन किया जाए।

शिक्षक साझा मंच सरगुजा के जिला संचालक कमलेश सिंह ने कहा कि संभाग स्तरीय व्याख्याताओ की काउंसलिंग के दिन सुबह ११ बजे सूची जारी हो रही है और १२ बजे काउंसलिंग आयोजित हो रहें है। कोई सुपरमेन तो है नही कि एक घण्टें में काउंसलिंग में पहुँच जाए। ऐसी बहुत सारी विसंगतिया है।

शिक्षक साझा मंच ने मांग करते हुए कहा कि पूरी सूची निरस्त कर नए सिरे से पारदर्शी तरीके से सूची बनाया जाए व उसके बाद काउंसलिंग आयोजित किया जाए।

30 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। सरगुजा जिले के नमना अंबिकापुर निवासी तेज प्रताप यादव के कब्जे से ३० लीटर महुआ शराब जप्त कर संभागीय उड़नदस्ता सरगुजा टीम ने जेल दाखिल किया है।

आबकारी आयुक्त श्याम धावडे के निर्देश पर तथा उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा के मार्गदर्शन में सरगुजा आबकारी उड़न दस्ता टीम की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। शनिवार को आबकारी उड़न दस्ता ऑफिस में मुखबीर से सूचना मिली कि बरगाहपारा नमना निवासी तेज प्रताप यादव अपने घर में भारी मात्रा में महुआ शराब रख कर बेच रहा है तत्काल सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने अपनी टीम के साथ तेज प्रताप यादव के घर दबिश दी, परंतु वह घर पर नहीं था। घर पर ही उसकी दूसरी पत्नी ने बताया कि वह अपनी पहली पत्नी के साथ अस्पताल में गया है तो अस्पताल जाकर तेज प्रताप यादव को उसके घर लाकर तलाशी लेने पर उसके किचन से ३० लीटर महुआ शराब जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा ३४(१)क ३४(२) एवं ५९ (क) के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के द्वारा की गई। हमराह स्टाफ में आबकारी मुख्य आरक्षक कुमारु राम रमेश दुबे, अशोक सोनी एवं नगर सैनिक गणेश पांडे रणविजय सिंह एवं ओमप्रकाश गुप्ता महिला सैनिक राजकुमारी एवं अंजू की भूमिका सराहनीय रही।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (अंबिकावाणी समाचार)। दुष्कर्म के आरोपी को थाना लुन्ड्रा पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रार्थिया ०६ जून को थाना लुन्ड्रा आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक ०५ जून कों खालपोड़ी थाना लुन्ड्रा निवासी धर्मेन्द्र सिंह पीड़िता को पसंद करने की बात बोलकर शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया हैं, और अब साथ मे नहीं रख रहा है, प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना लुन्ड्रा मे आरोपी के विरुद्ध धारा ३७६(२)(ढ), ३१३, ५०६ भा. द. वि. एवं पोक्सो एक्ट की धारा ५(ठ), ६ का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम धर्मेन्द्र मरावी आत्मज रामनारायण मरावी उम्र २३ वर्ष निवासी खालपोड़ी थाना लुन्ड्रा का होना बताया।आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लुन्ड्रा उप निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, सहायक उप निरीक्षक शिवचरण साहू, आरक्षक राज नारायण गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद सिंह, सचितानन्द कुजूर, बालकेश्वर राम, शिव प्रसाद, बहाल राम, निरंजन बड़ा सक्रिय रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देवघर दौरा स्थगित, एम्स के दीक्षांत समारोह में होने वाली थीं शामिल -

देवघर,07 जून (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देवघर दौरा फिलहाल स्थगित हो गया है. राष्ट्रपति मुर्मू 11 जून को देवघर के एम्स में आयोजित दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाली थीं. उससे पहले बाबा धाम मंदिर में पूजा करने का भी कार्यक्रम था. लेकिन शुक्रवार देर शाम राष्ट्रपति भवन से सूचित करते हुए जिला प्रशासन और राज्य के अधिकारियों को यह जानकारी दी गई कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 जून को देवघर नहीं पहुंचेंगी. एम्स के निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने बताया कि राष्ट्रपति के देवघर आने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित हो गया है. इसे देखते हुए एम्स का दीक्षांत समारोह भी फिलहाल के टाल दिया गया है. अब अगला शेड्यूल जारी होने के बाद ही दीक्षांत समारोह की तिथि तय की जाएगी. डॉ. सौरभ वार्ष्णेय ने बताया कि शुक्रवार शाम को फोन के माध्यम से जानकारी मिली कि 11 जून को होने वाले कार्यक्रम में राष्ट्रपति नहीं आ पाएंगी.

सड़क बनाने की आड़ में सैकड़ो पेड़ पौधों की कटाई पेज 09

www.ambikavani.com अम्बिकावाणी अम्बिकापुर, रविवार 08 जून 2025 11

मोदी सरकार के 11 वर्षों के संकल्प सिद्धि की जिला स्तरीय कार्यशाला संपन्न, 9 जून से शुरू होंगे वृहत कार्यक्रम

धमतरी, 07 जून (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्र की मोदी सरकार के 11 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 जून से 6 जुलाई तक जिला, मंडल, ग्राम और बूथ स्तर तक विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई है। इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के संगठन प्रभारी और पर्यटन मंडल अध्यक्ष नीलू शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित पार्टी है, जो देश को परम वैभव के शिखर पर ले जाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने बताया कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए संकल्प, जैसे स्वच्छ और सुंदर भारत, खुले में शौच मुक्त भारत, बिचौलिया मुक्त सहायता, धारा 370 की समाप्ति, भव्य राम मंदिर निर्माण, हर घर को पक्का मकान, खाद्य सुरक्षा, नल से जल, रसोई गैस और बिजली की सुविधा आदि, पिछले 11 वर्षों में सिद्ध किए गए। साथ ही, आतंकवाद, उग्रवाद और नक्सलवाद पर करारा प्रहार कर देश को आंतरिक और बाह्य सुरक्षा में अग्रणी बनाया गया।

जिला भाजपा अध्यक्ष प्रकाश बैस ने बताया कि शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार महीने भर चलने वाले 'संकल्प से सिद्धिइ अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर टीमें और प्रत्येक कार्यक्रम के लिए अलग-अलग प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। अभियान के जिला संयोजक कविंद्र जैन ने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस अभियान में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, 'एक पेड़ मां के नामइ जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। प्रदेश के वरिष्ठ नेता प्रेस वार्ता के लिए जिले में आएंगे।

प्रोफेशनल मीट के तहत डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, शिक्षक, व्यवसायी और किसानों के साथ विकसित भारत के संकल्प पर चर्चा होगी। 11 वर्षों की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, मंडल स्तर पर विकसित भारत संकल्प सभा, ग्राम, वार्ड और बूथ स्तर पर चौपालें, वरिष्ठ नेताओं का ग्राम स्तर तक प्रवास, 21 जून को योग दिवस, 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस और 25 जून को आपातकाल के काले दिवस पर सेमिनार और लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। 22 जून से 6 जुलाई तक वृहत वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाएगा। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह, रंजना साहू, श्रवण मरकाम, ठाकुर शशि पवार, निर्मल बरडिया, प्रीतेश गांधी, कौशल्या देवांगन, महेंद्र पंडित, अविनाश दुबे, श्यामा साहू, अरविंदर मुंडी, नरेश सिन्हा, चेतन हिंदुजा, बीथीका विश्वास, राजेंद्र गोलछा, प्रेमलता नागवंशी, त्रिलोक जैन, अकबर कश्यप, अंगिरा साहू, महेश गोटा, दयाराम साहू, कमल डागा, नागेंद्र शुक्ला, अजय नाहटा, रेशमा शेख, विजय साहू, उमेश साहू, रोहिताश मिश्रा, हेमंत चंद्राकर, मुरारी यदु, आदर्श चंद्राकर, मोहन नाहटा, वामन साहू, कैलाश सोनकर, चंद्रकला पटेल, ज्योति साहू, पवन गजपाल, मिश्री पटेल, अमन राव, कल्याण सिंह राजपूत, रोहित मोहन साहू, मनोहर मानिकपुरी, संजय मरकाम, डॉ. लोकेश साहू, कृष्णकांत साहू, राजीव चंद्राकर, गौरव मगर, धनेश्वरी साहू, अजय ध्रुव, दमयंतिन साहू, राकेश साहू, जागेश्वरी साहू, हृदय साहू, मुकेश शर्मा, बसंत गजेंद्र, विभा चंद्राकर, अनीता अग्रवाल, आशा लोधी, हिमानी साहू, चंद्रभागा साहू, चंद्रकला साहू, सुलोचना साहू, नंदनी सिन्हा, भारती साहू, गजेंद्र कंवर, अमित अग्रवाल, मुकेश यादव, महेंद्र खंडेलवाल, कोमल यादव, राजू चंद्राकर, मोहन पुजारी, पिंकू साहू, हेमंत बंजारे, ईश्वर सोनकर, विजय ठाकुर, निप्पी सिंह, रामगोपाल साहू, लील पटेल, बसंत मीनपाल, उमेंद्र सिन्हा, रामायण साहू, महेन्द्र नेताम, नम्रता माला पवार, राजेश गोसाई, आमना सोना, राम सोनी, नंदू लोधी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासन ने की अभिनव पहल,पहाड़ी कोरवा बच्चों का भविष्य हुआ उज्ज्वल

कोरबा 07 जून (ए)। शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर यह गाँव है बरपानी...इस गाँव में जाने के लिए रास्ते हैं..छोटे बच्चों के लिए आंगनबाड़ी है... स्कूल में पढ? के लिए ठीक ठाक भवन भी है...और यहाँ पढ़ाई करने वाले ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के ही है। शासन ने यहाँ रहने वाले कोरवा जनजाति के बच्चों को शिक्षा से जोड ? के लिए स्कूल ही नहीं खोले, भवन भी बनाया..लेकिन नियमित शिक्षक नहीं होने का खामियाजा यहाँ पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को वर्षो से उठाना पड़ता रहा...किसी तरह कुछ शिक्षकों को अटैचमेंट कर अध्यापन का कार्य तो कराया जाता रहा..लेकिन यह व्यवस्था भी पहाड़ी कोरवाओं विद्यार्थियों के हित की नहीं थीं...आखिरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन ने अतिशेष शिक्षकों को ऐसे शिक्षकविहीन और एकलशिक्षकीय विद्यालयों में नियुक्ति करने की नीति बनाई तो वनांचल में मौजूद इस पहाड़ी कोरवा बाहुल्य गाँव के स्कूल बरपानी के भी भाग खुल गए। इस विद्यालय में अब दो अतिशेष शिक्षक पदस्थ हुए हैं, जो नियमित शिक्षक होंगे। यहाँ प्रधानपाठक के रूप में कमल सिंह कँवर और सहायक शिक्षक के रूप में अक्तिदास मानिकपुरी की नियुक्ति हुई है। कोरबा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवपहरी के आश्रित ग्राम बरपानी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवाओं का परिवार निवास करता है। यहाँ रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों को शिक्षा से जोड? शासन ने पहल की। डीएमएफ से 2017 में नए भवन भी बनाएं। स्कूल में शिक्षा हेतु शिक्षक की व्यवस्था भी की गई थी। शहर से बहुत दूर वनांचल क्षेत्र में स्कूल होने से यहाँ कोई नियमित शिक्षक नहीं था। राज्य शासन द्वारा अतिशेष शिक्षको के समायोजन के निर्देश जारी होने के बाद जब कोरबा जिले के प्राथमिक शालाओ के अतिशेष शिक्षको की काउंसिलिंग की गई तो प्राथमिक शाला बरपानी को एक नियमित प्रधानपाठक और एक रेगुलर शिक्षक मिल गया है। अब इस विद्यालय में भी शिक्षक उपलब्ध हो जाने से पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का भी भविष्य उज्ज्वल नजर आने लगा है। इन गाँव के संपत लाल कोरवा ने बताया कि स्कूल में 25 बच्चे हैं। विगत कई साल से रेगुलर शिक्षक नहीं होने से अध्यापन प्रभावित होता था। बीते शिक्षा सत्र में एक अतिथि महिला शिक्षक कक्षाएं लेती थी। अब खुशी की बात है कि हमारे गाँव के स्कूल को एक प्रधानपाठक और एक नियमित शिक्षक मिल गया है। गाँव के झुनी बाई, शैम्पूरम कोरवा, बुधवारी बाई ने बताया कि हमारे गाँव के पास स्कूल खुलने के बाद गाँव के बच्चों को स्कूल भेजते हैं। स्कूल में शिक्षक नहीं होने से दूसरे स्कूल के शिक्षको को भेजा जाता है।

कई बार बीमारी या दूसरे कारणों से शिक्षक के अवकाश में रहने से समस्याएं आ जाती है।

जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं, इन्हें योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जायेगा - नीलू शर्मा

धमतरी, 07 जून (ए)। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने आज कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में पर्यटन समीक्षा बैठक ली और जिले के पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि धमतरी जीवनदायिनी महानदी के साथ ही सप्तऋशियों की तपोभूमि भी है। यहीं से महानदी का उद्गम हुआ है, जिसका पानी सिंचाई के साथ ही कारखानों और बिजली उत्पादन के लिए भी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं है। यहां रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल बांध सहित एशिया का एकमात्र सायफन सिस्टम वाला माडमसिल्ली, सिहावा का श्रृंगऋषि पर्वत, कर्णेश्वर महादेव, सप्तऋषि, नरहरा जलप्रपात, जबर्रा हिल्स और वनों से आच्छादित नगरी विकासखण्ड लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। श्री शर्मा ने कहा कि आज की बैठक में जिले के ऐसे पर्यटन स्थल, जहां अधिक संख्या में पर्यटक आते हैं, उनकी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और उपस्थित जनप्रतिनिधियों तथा समिति के सदस्यों ने सुझाव भी दिये हैं। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष गौकरण साहू, पूर्व विधायक रंजना साहू सहित मैनेजिंग डायरेक्टर छ.ग. टूरिज्म बोर्ड विवेक आचार्य, पुलिस अधीक्षक सूरजसिंह परिहार, डीएफओ कृष्ण जाधव और जिला पर्यटन समिति के सदस्य व अधिकारीगण उपस्थित थे। श्री शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सिहावा क्षेत्र में महानदी को संवारने का जो काम किया जा रहा है, वह सराहनीय है। छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत बनाने के लिए अपने संबोधन में नीलू शर्मा ने कहा कि विजन छत्तीसगढ़ को इझ्हमने बनाया है, हम ही सवारेंगेइझ के अनुरूप कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पर्यटन विकास के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में जिले का भविष्य उज्जवल है इसमें रोजगार के भी बहुत संभावना है। श्री शर्मा ने कहा कि गंगरेल का मिनी गोवा, अंगारमोती मंदिर, ठेमली आईलैण्ड, सिहावा का कर्णेश्वर, श्रृंगीऋषि पर्वत, महानदी कुण्ड आदि को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जायेगा। जिले के 5 प्रमुख पर्यटन स्थानों को किया जायेगा विकससित, धार्मिक स्थलों का होगा विकास श्री शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के 5 प्रमुख पर्यटन स्थलों का चयन कर उन्हें विकसित किया जायेगा, जिसमें गंगरेल बांध, माडमसिल्ली बांध, नरहरा, जबर्रा और सिहावा क्षेत्र के विभिन्न पर्यटल स्थल शामिल है। इन स्थानों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करायी जायेंगी, ताकि आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। साथ ही आसपास के लोगों को रोजगार भी मिल सके। इसके साथ ही जिले के प्रसिद्ध अंगारमोती माता मंदिर, विध्यवासनी मंदिर और रूद्रेश्वर मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों का भी विकास किया जायेगा, जिनमें फाउन्टेन, लाईटिंग आदि लगाये जायेंगे। कलेक्टर ने जिले के पर्यटन स्थलों की दी जानकारी कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बैठक में पॉवर प्वाईट प्रस्तुति के माध्यम से जिले के पर्यटन क्षेत्रों की जानकारी दी।

उन्होंने इन पर्यटन क्षेत्रों के विकास की संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कलेक्टर ने बताया कि जिले में पर्यटन के तौर पर प्रसिद्ध रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल बांध है।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग समस्याएँ
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• सुईनुमा उपकरण/दूरबीन द्वारा स्लिप डिस्क को निकालना
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियाटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS,MS,DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्लीपडिस्क, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, तानु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
नि: शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

www.ambikavani.com | अम्बिकावाणी

बिहार में तेजस्वी यादव के काफिले में घुसा ट्रक, 3 सुरक्षाकर्मी घायल

पटना,07 जून (ए)। बिहार के वैशाली जिले में शुक्रवार रात को नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव का काफिला हादसे का शिकार हो गया। एक अनियंत्रित ट्रक उनके काफिले में घुस गया, जिसने वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तेजस्वी बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके 3 सुरक्षाकर्मी बुरी तरह घायल हैं। हादसा तड़के 2 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोरौल के पास हुआ है। सुरक्षाकर्मी अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने बताया कि तेजस्वी यादव मधेपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे और रात को पटना लौट रहे थे।

शासकीय उचित मूल्य दुकान सारणपुर के संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित...पेज 11

गड़बड़ी में शामिल सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक पर अब तक कार्यवाही लंबित

पक्ष विपक्ष दोनों ने की जांच की मांग

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बिश्रामपुर में पदस्थापना के दौरान किसान के खाते से फर्जी आहरण समेत कई किसानों के धान की राशि का ऋण काटे बगैर भुगतान कर बैंक को चुना लगाने वाली तत्कालीन शाखा प्रबंधक पर बैंक के शीर्ष प्रबंधन ने अब तक किसी प्रकार की कार्रवाई न कर उल्टा उसे संरक्षण दिया हुआ है।बता दें कि अंबिकापुर कलेक्टर द्वारा जिला सहकारी बैंक में हुए करोड़ो के घोटाले की हुई शिकायत के बाद जांच कराई जिसमें बड़े स्तर पर घोटाले का पदार्फाश हुआ ।करीब २८ करोड़ के घोटाले में कलेक्टर के निर्देश पर दर्जन भर बैंक के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर हुई और उसमें ११ कर्मी अभी जेल में बंद है।इस घटना से बैंक की छवि तो प्रभावित हुई ही साथ में हितग्राहियों का बैंक से भरोसा भी डगमगाया है।अंबिकापुर कलेक्टर के जांच कार्यवाही के बाद बैंकिंग में पारदर्शिता की उम्मीद की जा रही थी लेकिन बैंक के शीर्ष प्रबंधन का कार्य करने का तरीका अब भी सवालों के घेरे में है। यूं तो सहकारी बैंक में भ्रष्टाचार का चोली दामन का रिश्ता आरंभ से ही रहा है सूत्रों की माने तो कर्मचारियों द्वारा की गई गड़बड़ियों की यदि बारीकी से शाखा स्तर पर जांच हो जाए तो चौंकाने वाले खुलासे होंगे।बताया जाता है कि वर्तमान में बैंक के उच्च प्रबंधन के पास शाखा स्तर पर गड़बड़ियों की शिकायत की जाती है तो उनके द्वारा संबंधित कर्मी के खिलाफ कार्यवाही न कर उसे खुली छूट दी जाती है।अभी हाल ही में बिश्रामपुर बैंक में पदस्थापना के दौरान पिछले शाखा प्रबंधक द्वारा किसान के खाते से ढाई लाख का फर्जी आहरण शाखा प्रबंधक और कैशियर की मिलीभगत से करने की शिकायत पर दोषी प्रबंधक के खिलाफ अब तक कार्यवाही लंबित है वही समाप्त हुए खरीफ वर्ष में बैंक के बिश्रामपुर ब्रांच में बड़ी संख्या में किसानों के ऋण को बगैर काटे उन्हें धान की राशि का भुगतान कर दिया गया है इस मामले में खबर प्रकाशन के बाद भी उच्च प्रबंधन ने दोषी प्रबंधक के खिलाफ जांच कराना उचित नहीं समझा और मामले को दबाने के लिए महिला कर्मी का तबादला लटोरी शाखा प्रबंधक के पद पर कर दिया ताकि लगातार उठ रहे विरोध के स्वर जांच की मांग को ठंडा किया जा सके ।असंगठित कामगार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संदीप शर्मा सहित भाजयुमो जिला महामंत्री दुर्गा गुप्ता ने मामले में बिश्रामपुर के तत्कालीन शाखा प्रबंधक बिंदु रानी के कार्यकाल के दौरान खरीफ वर्ष में ऋण लेने वाले किसानों सहित किन किन किसानों ने धान का भुगतान प्राप्त कर लिया है और उनकी ऋण की राशि नहीं काटी गई है इसकी संपूर्ण जांच की मांग की है।अन्यथा उच्च स्तर पर सहकारी बैंक प्रबंधन की कारगुजारियों की शिकायत केंद्रीय और राज्य सहकारिता मंत्री से किए जाने की बात कही है।दुर्गा गुप्ता ने बताया कि बिश्रामपुर शाखा की तत्कालीन प्रबंधक ने बैंक के निजी सुरक्षा कंपनी के गनमैन पर बैंकिंग गतिविधियों को सार्वजनिक करने का आरोप लगा उसे सीईओ से कह डेढ़ माह पूर्व ड्यूटी से बैठा दिया गया है जबकि गनमैन पिछले दस वर्षों से बैंक में सुरक्षा में तैनात था जिसकी कभी कोई शिकायत नहीं मिली उन्होंने बताया कि गनमैन की दो बेटियां हैं और दोनों सिकल सेल से पीड़ित हैं गनमैन की ड्यूटी बंद कर देने से बच्चियों का इलाज प्रभावित हो रहा साथ ही परिवार के समक्ष आजीविका की समस्या उत्पन्न हो गई है। दुर्गा गुप्ता ने बैंक प्रबंधन के इस कार्यवाही को न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ बताया है।

बिश्रामपुर सीएचसी की कोविड वार्ड बनी भ्रष्टाचार की मिशाल

मरीजों के लिए नहीं बचा भरोसा, लाखों खर्च के बाद भी खंडहर

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जब पूरी दुनिया एक बार फिर कोरोना के खतरे से सतर्क हो चुकी है, तब बिश्रामपुर जैसे कस्बे में स्वास्थ्य सुरक्षा की पोल खुलती नजर आ रही है। वर्ष २०२१-२२ में जिस २० बिस्तरों वाले अत्याधुनिक कोविड वार्ड का दावा कर लाखों रुपए की लागत से तैयार किया गया था, वह आज जमीनी हकीकत में एक खंडहर का रूप ले चुका है। इस वार्ड की वर्तमान स्थिति न सिर्फ सरकारी लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि डीएमएफ मद से किए गए खर्च पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। कोविड की पहली और दूसरी लहर के समय बिश्रामपुर में एक उम्मीद की किरण के तौर पर कोविड वार्ड का निर्माण कराया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा यह वार्ड बनाया गया था। लोगों को लगा कि अब कम से कम बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त हो जाएंगी। लेकिन वक्त के साथ यह वार्ड उम्मीद की इमारत से टूटे सपनों का ढांचा बन गया। यहां पर आज की स्थिति यह है कि न वार्ड में ढंग की छत बची है, न गर्मी से राहत देने वाले उपकरण। जो फॉल सीलिंग कराई गई थी, वह भी निर्माण के महज कुछ ही दिनों बाद टूटकर गिर गई। यहां पर ना ही मरीजों के लिए कोई पंखा, न वेंटिलेशन और न ही ऑक्सीजन की स्थायी व्यवस्था दिखाई पड़ रही है। जिस वार्ड को संक्रमण के गंभीर मामलों के लिए तैयार किया गया था, वहां आज इंसानी इलाज तो दूर, इंसानी बैठने लायक व्यवस्था तक नहीं है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस निर्माण में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। डीएमएफ जैसे महत्वपूर्ण फंड से कोविड सुविधा निर्माण के नाम पर जो बजट स्वीकृत हुआ था, वह कागजों में ही बह गया। लाखों रुपए खर्च हुए लेकिन गुणवत्ता नदारद रही। न कोई स्थायी सुपरविजन न कोई तकनीकी निरीक्षण। बताया जा रहा है कि विभागीय अधिकारियों की मॉनिटरिंग पूरी तरह से गायब थी और यही वजह रही कि ठेकेदारों को घटिया सामग्री का उपयोग करने का खुला अवसर मिला। इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक बात यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मौन है। सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन इस भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई उचित कदम उठाएगा, या फिर स्थिति ज्यों की त्यों ही बनी रहेगी। स्थानीय लोगों का सब्र अब टूटने लगा है। सामाजिक संगठन, व्यापारी वर्ग और आम लोग इस बात से आक्रोशित हैं कि जिस कोविड वार्ड पर जनता का पैसा खर्चह्व हुआ, वह आज लावारिस इमारत में बदल गया है। कईह्व लोगों ने यहां तक कहा कि यदि जल्द इस मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। विशेषज्ञों की मानें तो यदि बिश्रामपुर जैसे कस्बे में इस तरह की लापरवाही रही, तो कोरोना की अगली लहर में यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी। छ्व ऐसी स्थिति में जान बचाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती हो सकता है। सवाल यह भी उठता है कि लाखों खर्च करने के बाद भी अगर एक कोविड वार्ड खड़ा नहीं हो पाया, तो आखिर इसका जवाबदेह कौन है। कोविड के लहर की पुनः शुरूआत होने के बाद भी यहां पर व्यवस्था में सुधार कराए जाने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

बीस के स्थान पर सौ बिस्तर

यहां बताना लाजिमी होगा कि सीएचसी बिश्रामपुर में निर्माण कराए गए बीस विस्तरीय कोविड वार्ड में सौ बिस्तर डालकर पीड़ित मरीजों के उपचार की व्यवस्था शुरू करा दी गई थी। ऐसी स्थिति में अंदाज लगाया जा सकता है कि कोविड पीड़ित मरीजों को किस तरह से उपचार के लिए जद्दोजहद करने विवश होना पड़ रहा था। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मानें तो बीस बिस्तर के नाम पर टेंडर जारी कर सौ बिस्तर का कार्य कैसे कराया गया, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं है।

तैयारियां चल रही

कोविड के पुनः सक्रिय होने के बाद भी क्षेत्र में अभी तक स्थिति पूरी तरह सामान्य है। अगर कोई बात होती है तो तत्काल उससे निपटने की तैयारी कर रखी गई है। ऑक्सीजन भी यहां पर पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। फिलहाल बिश्रामपुर क्षेत्र में ऐसी भयावह स्थिति के लक्षण नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अगर स्थिति बिगड़ती भी है तो हमारे पास पर्याप्त संसाधन व तैयारी है, जिससे हम निपट सकते हैं।

डॉ. अमित भगत
बीएमओ, सुरजपुर

युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में धांधली का आरोप,शिक्षक साझा मंच ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में युक्तियुक्तकरण के मामले को लेकर शिक्षक साझा मंच ने सप्रमाण दस्तावेजों के साथ कलेक्टर,सांसद? और? विधायक को ज्ञापन सौंपकर इसकी उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिक्षा विभाग की इस कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षक संवर्ग में भारी रोष व्याप्त है। शिक्षकों ने आरोप लगाया है कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा, नियमों को ताक पर रखकर शिक्षकों को मनमाने ढंग से अतिशेष घोषित किया गया। वरिष्ठता सूची को काउंसलिंग में छिपा दिया गया, जिससे वरिष्ठ शिक्षक अन्याय के शिकार हुए। इस प्रक्रिया में शिक्षकों को दावा-आपत्ति की कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। कई शिक्षक बिना किसी वैध आधार के अतिशेष कर दिए गए। काउंसलिंग के समय वरिष्ठता सूची को न चस्पा कर वरिष्ठ शिक्षकों को दूरस्थ विद्यालयों में भेजा गया। काउंसलिंग की सूचना देने में भारी जल्दबाजी की गई। ३१ मई को सोशल मीडिया पर सूची जारी कर १ जून को सुबह काउंसलिंग करवा दी गई। इतने कम समय में अनेक शिक्षक समय पर काउंसलिंग में शामिल नहीं हो सके। महिला शिक्षिकाओं के अधिकारों पर भी डाका डाला गया । ९ रिक्त पदों के लिए ३७ महिला शिक्षिकाओं को नियुक्ति से वंचित कर दिया गया, जबकि पुरुष शिक्षकों को पद दे दिए गए। रिक्त पद न होने पर भी मनमानी पदस्थापना कर? दी गई है।? कई विद्यालयों में जहां संबंधित विषय का व्याख्याता पहले से पदस्थ था, वहां भी उसी विषय के नए व्याख्याता को जबरन पदस्थ कर दिया गया। इससे पुनः अतिशेष की स्थिति उत्पन्न हो गई। नजदीकी रिक्त पदों को छिपाया गया । जिसके कारण महिला शिक्षिकाओं को सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में भेजा गया, जबकि उनके नजदीक रिक्त पद उपलब्ध है। दूसरे अवसर का वादा तोड़ा गया । शिक्षा विभाग ने घोषणा की थी कि ३ जून को अनुपस्थित शिक्षकों को काउन्सलिंग का पुनः अवसर मिलेगा, लेकिन उस दिन पहुंचे शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा द्वारा डांटकर वापस भेज दिया गया। संकुल समन्वयकों और शीघ्र सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ अन्याय किया गया। संकुल समन्वयकों को भी अतिशेष किया गया, जबकि सरगुजा जिले में इन्हें मुक्त रखा गया है। छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को भी राहत नहीं दी गई । शिक्षकों ने गंभीर आरोप लगाए कि जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा का व्यवहार शिक्षकों व कर्मचारियों के प्रति बेहद अशिष्ट और अमर्यादित रहा। आए दिन अभद्रता की घटनाएं चर्चा में हैं। जिला शिक्षा अधिकारी के तानाशाही का आलम यह रहा कि आदेश ६ जून की शाम को ४ जून के बेक डेट पर जारी किया गया, लेकिन ६ जून की दोपहर में ही इनके द्वारा सभी ब्लॉकों से ७ जून तक कार्यमुक्ति की जानकारी मांग ली गई। ४ बजे तक डेडलाइन तय कर दी गई, जिससे शिक्षकों में हड़कंप मच गया। स्थिति और विचित्र तब हो गई जब अगले दो दिन कार्यालय अवकाश के रहे और जिन शिक्षकों को मात्र तीन दिन का समय दिया गया, वे अवकाश के कारण कार्यभार ग्रहण को लेकर असमंजस में पड़ गए। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षक साझा मंच के सचिन त्रिपाठी, यादवेन्द्र दुबे, भूपेश सिंह, विजय साहू, गोपाल विश्वकर्मा, पिताम्बर सिंह, चन्द्रविजय सिंह, रंजय सिंह, शहादत अली, कृष्णा सोनी, राकेश शुक्ला, गौतम शर्मा, राधे साहू, भुवनेश्वर सिंह, मुन्ना सोनी, विक्रम सिंह तोमर, खेलसाय सिंह, रोशन साहू, अंकित कोसरिया, आशीष जायसवाल, सुमित कुमार पटेल सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

पीएम आवास योजना के स्वीकृत समस्त आवासों को अविलंब करें पूरा

०० कलेक्टर ने बैठक में दिए निर्देश

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा आज पीएम आवास योजना ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा की। इसमें मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के स्वीकृत समस्त आवासों को अविलंब पूरा करने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वीकृति के लिए शेष बचे आवासों को जल्द स्वीकृति का कार्य पूर्ण करते हुए, कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष २०१६- २३ तक के आवासों में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। इसमें विगत २०१६-२३ तक के कुल ३७५६८ स्वीकृत आवासों में से ३५७१५ (९५त्न) आवास पूर्ण हो चुके है। इसी क्रम में विगत ८ माह पहले स्वीकृत हुए ३१४३५ आवासों में से ८४०८ (२७त्न) पूर्ण कर लिए गए है शेष प्रगतिरत है। किसी भी हितग्राही का राशि कार्य पूर्ण करने के बाद लंबित न रहे। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित जनपद से जिम्मेदारी तय की जावेगी। चाहे सचिव हो, ग्राम रोजगार सहायक हो, आवास मित्र हो, ऑपरेटर हो, तकनीकी सहायक हो, विकासखंड समन्वयक हो, कार्यक्रम अधिकारी हो या जनपद पंचायत सीईओ हो अपने अपने कार्य पूरे ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करिए अगर पीएम आवास में एक भी शिकायत बिना कारण के लंबित पाया जाता है तो सीधे कार्यवाही होगी। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृति ६३३ आवासहीन परिवारों में से ८७ परिवारों ने आवास पूर्ण कर लिए है। पीएम आवास के तहत अभिसरण से मिलने वाले ९० मानव दिवस की मजदूरी भुगतान को समय पर जारी करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के स्वीकृत कार्यों पर फोकस कर पूर्ण करने पर ध्यान दीजिए। जनपद पंचायत सूरजपुर में आरसेटी के माध्यम से मेसन प्रशिक्षण देने का कार्य जारी है जिसे सीईओ जनपद पंचायत स्वयं मॉनिटर करें और इसका लाभ बड़े लक्ष्य वाले ग्राम पंचायतों में मेसन की कमी के रूप में लेवे। इसके अतिरिक्त आवास प्लस २.० के माध्यम से हुए सर्वे का दो मोड था एक सेल्फ सर्वे एवं एक असिस्ट सर्वे या प्रगणक द्वारा किया गया सर्वे। वर्तमान में सेल्फ सर्वे का सत्यापन प्रगणक द्वारा किया जा रहा है। इस सत्यापन पश्चात असिस्ट सर्वे के सत्यापन का कार्य जनपद स्तरीय अधिकारी को चेकर बनाकर कराया जाना है। जिसकी उन्हें विस्तृत प्रशिक्षण दी गई है। ज्ञात हो कि जिले में सेल्फ सर्वे एवं असिस्ट सर्वे मिलाकर कुल १,३९,४०८ परिवारों का सर्वे किया जा चुका है। सभी फील्ड स्टाफ के अमले को शासन के निदेशों का पालन करने के सम्बन्ध में आदेशित किया गया। हितग्राहियों को योजना की समस्त जानकारी देना, स्वयं के व्यय से आवास में रैन वाटर हार्वेस्टिंग का स्ट्रक्चर तैयार कराने के लिए प्रेरित करना, प्रत्येक आवास में एक फलदार वृक्ष लगाने के प्रति प्रोत्साहित करने जैसे अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा किया गया। सभी पीएम आवास के काम को गंभीरता पूर्वक करें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त, एसडीओ आरईएस, पीएम आवास एवं मनरेगा की जिले व जनपद की पूरी टीम उपस्थित रही।

शिव परशुराम मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान के साथ आज मनेगा वार्षिक उत्सव

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। धर्म, संस्कृति और आस्था के संगम स्थल श्री शिव परशुराम मंदिर सूरजपुर में इस वर्ष भी पारंपरिक भव्यता के साथ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव ८ जून रविवार को संपन्न होगा, जिसमें जिलेभर के श्रद्धालु जुटेंगे। इस विशेष दिन पर मंदिर परिसर भक्ति और अध्यात्म की आलोकमयी छाया में डूबा रहेगा। आयोजन की शुरूआत प्रातः ८ बजे दैनिक पूजन एवं आरती से होगी, जिसके पश्चात ९ बजे अभिषेक, विशेष पूजन और हवन संपन्न होंगे। कार्यक्रम का भावनात्मक चरम १०.३० बजे होने वाले सुंदरकांड पाठ में देखने को मिलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन सामूहिक रूप से राम भक्ति में लीन होंगे।इसके पश्चात दोपहर १२ बजे महाप्रसाद का आयोजन किया गया है, जहां श्रद्धालुजन प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजन को लेकर पूरे सूरजपुर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। सर्व ब्राह्मण समाज जिला सूरजपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों से सहभागिता की अपील की गई है। आयोजकों का कहना है कि यह उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का उत्सव भी है।

कैडर स्कीम पर तकनीकी उपसमिति की बैठक में श्रमिक प्रतिनिधियों ने जताई आपत्ति

(अम्बिकावाणी समाचार)। बिश्रामपुर कोल इंडिया कर्मचारियों के कॅरियर ग्रोथ और भविष्य की पदोन्नति प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित कैडर स्कीम को लेकर शुक्रवार को मानकीकरण समिति की तकनीकी उप समिति की दूसरी बैठक संपन्न हुई। बैठक में तकनीकी पहलुओं के साथ-साथ श्रमिक हितों को लेकर गंभीर मंथन किया गया। बैठक का मुख्य केंद्रबिंदु कोल इंडिया द्वारा पूर्व में तैयार किया गया ड्राफ्ट था। इस ड्राफ्ट को लेकर श्रमिक प्रतिनिधियों ने कई बिंदुओं पर संशोधन की आवश्यकता जताई और जोर देकर कहा कि इसे अंतिम रूप देने से पहले व्यापक रायशुमारी आवश्यक है। श्रमिक प्रतिनिधियों का कहना था कि प्रस्तुत ड्राफ्ट अत्यंत विस्तृत है और उसके अध्ययन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। उनका तर्क था कि ड्राफ्ट सिर्फ तकनीकी दस्तावेज नहीं बल्कि कर्मचारियों के भविष्य का खाका है, इसलिए इसे आसानी से समझना और श्रमिकों से संवाद करना आवश्यक है। प्रतिनिधियों ने प्रस्ताव रखा कि वे पहले स्वयं इस ड्राफ्ट का गहन अध्ययन करेंगे, उसके बाद अपने-अपने क्षेत्र के कर्मचारियों से चर्चा कर संभावित संशोधन और सुझाव इकट्ठा करेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों में तकनीकी उप समिति के सदस्य जाएंगे और वहां ड्राफ्ट से संबंधित जानकारियां सीधे श्रमिकों तक पहुंचाएंगे। इससे जमीनी स्तर पर स्पष्टता और भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी। श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा एकत्रित किए गए सुझावों और संभावित संशोधनों को एकत्र कर अगली बैठक में प्रबंधन के समक्ष रखा जाएगा। तब जाकर कैडर स्कीम के अंतिम प्रारूप पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से यह स्वीकार किया गया कि कॅरियर ग्रोथ से जुड़ी कोई भी नीति बिना श्रमिकों की भागीदारी और संतुष्टि के नहीं बननी चाहिए। इस दिशा में तकनीकी उपसमिति का यह कदम सार्थक संवाद और पारदर्शिता की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान२ हेतु 284 ग्राम चिन्हित

०० शिविर के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने ली बैठक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में जिले में १५ से ३० जून तक च्धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर अभियानज चलाया जाएगा। जिसके सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर एस.जयवर्धन की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त घनश्याम कुमार , सर्व जनपद सीईओ व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में २धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत २८४ ग्राम का चिन्हांकन किया गया है। जिनमें १५ से ३० जून तक शिविर का आयोजन किया जाना है। इन शिविरों के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिले के जनजातीय समुदाय के लोगों को इस अभियान से बुनियादी सेवाओं का सीधा लाभ मिले इसके लिए उन्होंने जनपद सीईओ व सचिवों को कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही २धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान२ के सफल संपादन हेतु विभिन्न एजेंडा विस्तृत चर्चा की गई।जनजातीय समुदायों के समग्र विकास और उनके जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में २धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान२ एक महत्वपूर्ण कदम है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान२ का उद्देश्य सामाजिक बुनियादी ढांचे में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के महत्वपूर्ण अंतराल को समाप्त करना है।

१५ जून से ३० जून तक धरती आबा अभियान अंतर्गत चलने वाले शिविर मेंआधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान क्रेडिट कार्ड, जनधनयोजना, सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेशन, नरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मुद्रा लोन, मातृ एवं शिशु कल्याण लाभ से संतृप्त किया जाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन महीने बंद रहेगा रनवे, नियमित 200 उड़ानें होंगी प्रभावित

नई दिल्ली,07 जून (ए)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को आगामी महीनों में असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है. दरअसल, रनवे 10/28 को 15 जून से 15 सितंबर तक अपग्रेडेशन के लिए बंद किया जा रहा है. दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने यह स्पष्ट किया है. इस दौरान हर दिन लगभग 200 उड़ानें प्रभावित होंगी. इनमें से 114 को रद्द कर दिया गया है, जबकि शेष 86 उड़ानों को गैर-पीक ऑवर में पुनः निर्धारित किया गया है.

डीआईएएल के अधिकारियों के मुताबिक, रनवे को बंद रखकर कैट- आईआईआईबी तकनीक से लैस किया जाएगा, जिससे घने कोहरे के दौरान भी बिना बाधा के विमान संचालन किया जा सकेगा. सर्दियों में कोहरे के कारण जब दृश्यता बेहद कम होती है तो यह तकनीक अत्यंत सहायक साबित होती है.

पहले यह रनवे अप्रैल और मई में भी अस्थायी रूप से बंद किया गया था, लेकिन पूर्वी हवाओं के कारण लैंडिंग क्षमता में कमी आने पर इसे दोबारा खोला गया था. उस दौरान प्रति घंटे की लैंडिंग क्षमता 42 से घटकर 32 रह गई थी. इस बार एयरपोर्ट प्रबंधन ने सभी एयरलाइनों के साथ समन्वय कर उड़ानों के समय में बदलाव किया है, जिससे यात्रियों को कम से कम परेशानी हो. दिल्ली एयरपोर्ट पर फिलहाल 27/9, 10/28, 29आर/11एल और 29एल /11आर कुल चार रनवे काम करता है. रनवे 10/28 के बंद होने पर 29आर /11एल से उड़ानों का प्रस्थान होगा. 29एल /11आर पर आगमन व रनवे 27/9 से आगमन व प्रस्थान दोनों संभाले जाएंगे. जब पश्चिमी हवाएं चलती हैं तब तीन रनवे 42 आगमन और 42 प्रस्थान प्रति घंटे संभाल सकते हैं.